सोमवार, 6 अप्रैल 2026

मौसम

तापमान 23 – 34
आर्द्रता 90%
सूर्योदय: 05:25 सूर्यास्त: 17:53

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, वैशाख कृष्णपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : कोई व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं भूल सकता जो उसके प्रति अच्छा हो।

मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के साथ 300 करोड़ रुपये के अंतराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश पृष्ठ 7

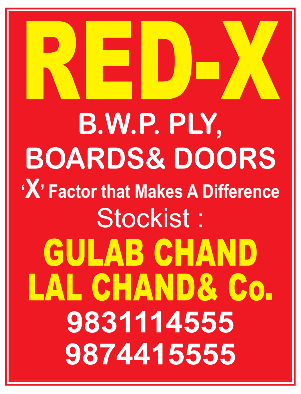

आंध्र में आईएसआईएस से कथित तौर पर जुड़े आतंकी गिरोह का पर्दाफाश

अमरावती : भारत में युवाओं को कथित तौर पर कट्टरपंथी बनाने में शामिल विदेशी संचालकों और आईएसआईएस सहित चरमपंथी संगठनों से संदिग्ध तौर जुड़े एक आतंकी गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। खुफिया विभाग के एक सूत्र ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे पहले आंध्र प्रदेश पुलिस ने बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और राजस्थान में टीम तैनात की थीं ताकि नेटवर्क से जुड़े दक्षिणी राज्य के तीन लोगों सहित 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी रहमतुल्लाह शरीफ और उसके सहयोगी जिहादी 'प्रोपेगेंडा' फैलाने और ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने में लगे कार्यकर्ताओं के संपर्क में थे। जांचकर्ताओं को संदेह है कि समूह की विस्तार करने की रणनीति के तहत महिलाओं को एक अलग 'ख्वातीन' शाखा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने कहा, भारत में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में लगे विदेशी संचालकों और 'इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया' (आईएसआईएस) व 'अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' (एक्यूआईएस) जैसे चरमपंथी संगठनों से जुड़े एक जिहादी गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। यह समूह सक्रिय रूप से चरमपंथी सामग्री साझा कर रहा था और विदेशी संचालकों के साथ संपर्क में था।

टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका, हर भ्रष्टाचारी का होगा हिसाब : मोदी

कूचबिहार में पहली चुनावी रैली में पीएम ने टीएमसी व ममता सरकार पर बोला जोरदार हमला

कहा- बंगाल में अब सिर्फ एक ही आवाज गूंज रही- 'पलटानो दरकार'

- **कहा- मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना तृणमूल के 'महाजंगलराज' को दर्शाती हैं**
- **पीएम बोले- बंगाल में संविधान प्रक्रिया भी सुरक्षित नहीं, अधिकारियों को बंधक बनाया गया**

कूचबिहार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ममता बनर्जी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि टीएमसी के पापों का घड़ा अब भर चुका है और अब बंगाल में हर ओर सिर्फ एक ही आवाज- पलटानो दरकार (बदलाव की आवाज) गूंज रही है। पिछले महीने चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर बंगाल के कूचबिहार के ऐतिहासिक रासमेला मैदान में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने मालदा जिले में एसआइआर सुनवाई प्रक्रिया में लगे न्यायिक अधिकारियों के घेराव व हिंसा की हालिया घटना पर चिंता जताते हुए कहा कि बंगाल में संविधान प्रक्रिया भी सुरक्षित नहीं है। न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए मोदी ने कहा कि पूरे देश ने निर्मम सरकार के महा जंगलराज को देखा है। उन्होंने कहा, मालदा में जो हुआ वह तृणमूल कांग्रेस के महाजंगलराज का उदाहरण है, और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी राज्य में कानून-व्यवस्था का जनाजा निकालने पर तुली हुई है।

मोदी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर महा जंगलराज चलाने का आरोप लगाते हुए 2026 के विधानसभा चुनाव को सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा फैलाए गए भय और भाजपा के भरोसे के बीच सीधा मुकाबला बताया।

मोदी ने कहा, कुछ ही दिन पहले, पूरे देश ने देखा है कि मालदा में न्यायिक अधिकारियों को कैसे बंधक बनाया गया था। यह किस तरह की सरकार है, जो न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा और संवैधानिक प्रक्रियाओं को सुनिश्चित नहीं कर सकती? हम ऐसी सरकार से बंगाल की जनता की सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री बुधवार रात मालदा के कालियाचक-दो ब्लॉक कार्यालय में हुई घटना का उल्लेख कर रहे थे, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण कवायद के दौरान तैयार की गई मतदाता सूची के मसौदे में विचाराधीन के रूप में चिह्नित नामों पर सुनवाई के दौरान तीन महिलाओं सहित सात न्यायिक अधिकारियों का भीड़ ने कई घंटों तक घेराव किया था।

घुसपैठियों को संरक्षण देने के लिए एसआईआर और सीएए का विरोध कर रही टीएमसी

मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर उठे विवाद का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा, तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को संरक्षण देने के लिए एसआ-इआर और सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का विरोध कर रही है। तृणमूल हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता नहीं देना चाहती, इसीलिए वह सीएए का विरोध कर रही है। मोदी ने आरोप लगाया, तृणमूल कांग्रेस शासन में बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में खतरनाक जनसांख्यिकीय परिवर्तन हुआ है। इन घुसपैठियों को तृणमूल कांग्रेस के गिरोह से सीधा संरक्षण मिल रहा है, जिससे राज्य के लोगों का जीवन खतरे में है। तुष्टीकरण की राजनीति के इस खेल में महान बंगाल की पहचान बदली जा रही है।

बंगाल की पहचान बदलने वालों को इस बार सत्ता से बेदखल किया जाएगा

उन्होंने कहा कि बंगाल की पहचान बदलने की कोशिश करने वालों को इस बार सत्ता से बेदखल किया जाएगा। उन्होंने कहा, मतदान के दिन तृणमूल कांग्रेस के गुंडे आपको कितना भी डराने-धमकाने की कोशिश करें, आपको कानून पर भरोसा रखना चाहिए। मुझे निर्वाचन आयोग पर पूरा भरोसा है। चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त होंगे। मोदी ने कहा कि चार मई, यानी चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद, कानून अपना काम करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि तृणमूल कांग्रेस के तहत कथित भ्रष्टाचार और हिंसा के हर मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि चुनाव के बाद उनके हर गुनाह का हिसाब होगा। चुन-चुन कर हिसाब होगा। अपराधी चाहे कितना भी ताकतवर क्यों ना हो, इस बार न्याय जरूर होगा।

चुनाव से पहले बंगाल में 319 करोड़ रुपए की नकद जब्त

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में रविवार तक इलेक्शन फ्लाइंग स्क्वायड और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कुल 319 करोड़ रुपए मूल्य की नकदी, शराब और अन्य मुफ्त वस्तुएं जब्त की गई हैं। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। चुनाव वाले पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से बंगाल मुफ्त उपहारों (150 करोड़ रुपए), शराब (55 करोड़ रुपए), कीमती धातु (39 करोड़ रुपए) और नकदी (11 करोड़ रुपए) की बरामदगी के मामले में सबसे आगे है, जिनका कथित तौर पर मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। चुनाव आयोग के बयान में कहा गया है कि चुनावों से पहले कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने राज्य से 65 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स बरामद की हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि सभी पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव अधिकारियों द्वारा जब्त की गई 29.63 लाख लीटर शराब में से पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 21.29 लाख लीटर शराब जब्त की गई है।

लोगों के नाम हटाने का बदला लेने के लिए मतदान करें : ममता

- **तृणमूल सुप्रीमो का आरोप, राज्य में मतदाताओं के नाम हटाने के पीछे शाह का हाथ**
- **मुख्यमंत्री ने 'ईवीएम में छेड़छाड़' की जताई आशंका**

मुर्शिदाबाद : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को मतदाताओं से उन लोगों की ओर से बदला लेने के लिए मतदान करने का आह्वान किया जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से हटा दिये गए हैं। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने उन लोगों से न्यायाधिकरण के समक्ष अपील करने का भी आग्रह किया, जिनके नाम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इस दिन, ममता ने शमशेरगंज में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों के नाम हटाए जाने का बदला लेने और एसआईआर के खिलाफ अपना वोट डालें ताकि परिणाम इसे प्रतिबिंबित कर सकें। मुख्यमंत्री ने तृणमूल कार्यकर्ताओं से चार मई को मतगणना तिथि तक सतर्क रहने को कहा। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राज्य में मतदाताओं के नाम हटाने के पीछे उनका हाथ है। उन्होंने कहा कि अगर आपमें हिम्मत है तो सीधे मुकाबला करें। चुनाव अवधि के दौरान सभी तृणमूल कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने का आह्वान करते हुए ममता ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि राज्य के हित में हमारे बूथ एजेंटों में से कोई भी भाजपा के हाथों खुद को नहीं बेचेगा। ममता ने आशंका जताई कि कुछ स्थानों पर ईवीएम मशीनों को जानबूझकर खराब किया जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को मशीनों की मरम्मत न करने दें और इसके बजाय मशीनों को बदलने की मांग करें। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने शमशेरगंज में पार्टी उम्मीदवार मोहम्मद नूर आलम और फरक्का में उम्मीदवार मोहम्मद अमीरुल इस्लाम के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर उनके खिलाफ झूठी अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया कि उन्होंने मुसलमानों के हित में ज्यादा कुछ नहीं किया है।

ममता ने दावा किया कि उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कार्यान्वयन के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया है। ममता ने विधानसभा चुनावों के कारण विकास कार्यों के ठप होने का दावा करते हुए कहा कि उन्होंने (निर्वाचन आयोग ने) लगभग 500 अधिकारियों का तबादला कर दिया है, लेकिन यह केवल एक महीने के लिए है। उसके बाद काम फिर से शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग पर मतदाता सूची से 'कुछ लोगों के नाम हटाने और कुछ अन्य लोगों को डराने-धमकाने' का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि विधानसभा चुनाव 2024 के आम चुनावों में इस्तेमाल की गई मतदाता सूचियों के आधार पर क्यों नहीं कराए जा सकते? तृणमूल अध्यक्ष ने कहा कि अगर मतदाता सूची में घुसपैठियों के नाम थे, तो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी पहले उन्हीं के मतों के आधार पर जीते थे, इसलिए उन्हें पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था।

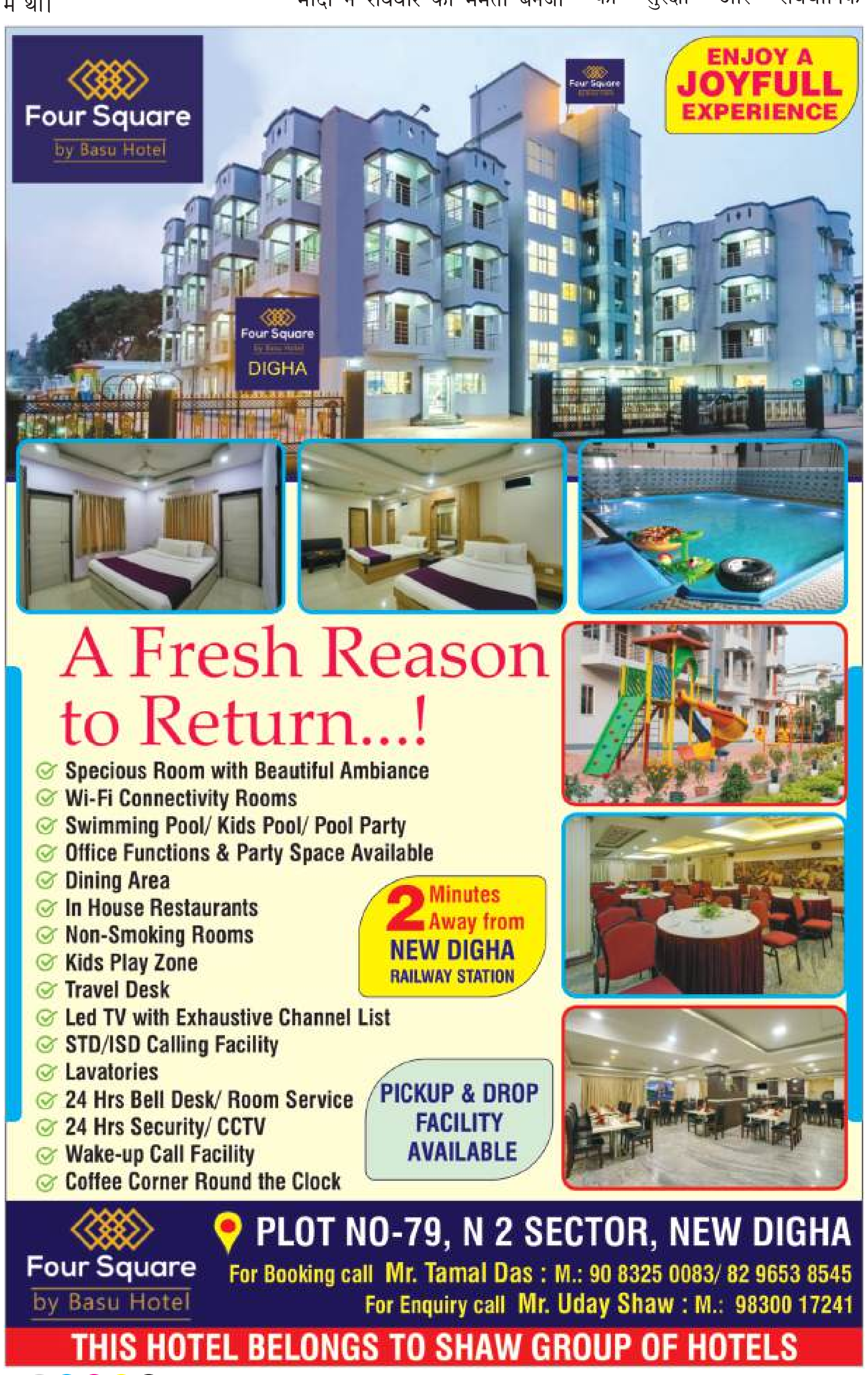

बंगाल में अराजकता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दर्शाने वाला है। बहरहाल, मालदा के कालियाचक में भीड़ द्वारा अभिव्यक्त आक्रोश और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का घटनाक्रम यह बताता है कि लोगों में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर व्यापक असंतोष है। यद्यपि कानून व्यवस्था को हाथ में लेना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही घटना का आकलन न कर पाना और समय रहते कार्रवाई न करना, तंत्र की विफलता को ही दर्शाता है। जिसे कानून व्यवस्था की नाकामी ही कहा जा सकता है। जब राज्य में एसआईआर काम में लगे लोगों को पहले से लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा था, तो इस कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लोगों में उपजे अविश्वास के मद्देनजर इस दिशा में सतर्क पहल जरूरी थी। इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम बंगाल में व्यापक पैमाने पर विदेशियों की घुसपैठ की समस्या रही है। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया द्वारा मतदाताओं की पड़ताल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय है। लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते व जरूरी कागजों के उपलब्ध न होने से कुछ वैध मतदाताओं को अपनी वैधता की पुष्टि के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चिंताओं को भी समझने की जरूरत है। ऐसे मतदाताओं के अविश्वास को भी दूर करने की जरूरत है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया पर शुरू से ही नजर बनाये हुए है। चुनाव आयोग भी दावा कर रहा है कि किसी योग्य मतदाता के साथ अन्याय नहीं होगा। इसी मकसद से ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया पर निगरानी के मकसद से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती की थी। लेकिन विडंबना है कि उन्हें ही आक्रोशित भीड़ ने बंधक बनाया। लेकिन इसके बावजूद सरकारी तंत्र को लोगों के बीच भरोसा कायम करने का प्रयास करना चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि राज्य के राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर राजनीति करने के बजाय मतदाताओं को तर्कपूर्ण ढंग से स्वतंत्र व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने के लिये प्रेरित करेंगे। राज्य में स्वतंत्र-निष्पक्ष तथा पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए राजनेताओं का संवेदनशील व्यवहार जरूरी है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 6 अप्रैल, सोमवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, वैशाख कृष्णपक्ष चतुर्थी, 14:12 तक, नक्षत्र : अनुराधा, 26:51 तक, योग : सिद्धि, 15:20 तक, सूर्योदय: 05:25, सूर्यास्त: 17:52, चन्द्रोदय : 21:48, चन्द्रास्त: 07:45, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 07:01 से 08:33

राशिफल

मेष : आज का दिन जैसे आपके करियर के दरवाजों पर नई रोशनी लेकर आया है। ऑफिस में दिल की बात कहना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा, बस किसी बेकार की राजनीति से दूरी बनाए रखें।

वृष : आज आपका मन पढ़ाई और ज्ञान में डूबा रहेगा, जैसे हर शब्द आपको सफलता की ओर ले जा रहा हो। किसी धार्मिक माहौल में जाने का मौका मिलेगा, जिससे मन को शांति मिलेगी।

मिथुन : आज आपके अंदर का लीडर जाग उठेगा, जो हर मुश्किल को चुनौती की तरह स्वीकार करेगा। कुछ रुकावटें जरूर आएंगी, लेकिन आप हार मानने वालों में से नहीं हैं।

कर्क : आज का दिन खर्चों के नाम हो सकता है, जैसे जेब और दिमाग दोनों थोड़ा दबाव महसूस करें। अचानक आने वाले खर्च आपकी चिंता बढ़ा सकते हैं, इसलिए समझदारी से कदम बढ़ाएं।

सिंह : आज आप किसी नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जैसे किस्मत आपके साथ कदम मिला रही हो। रिश्तों में ताजगी और घर में खुशियों की महक बनी रहेगी।

कन्या : आज आपके काम आपको नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार हैं। परिवार में प्यार और समझदारी का माहौल बना रहेगा, लेकिन किसी दूर के अपने की याद दिल को छू सकती है।

तुला : आज का दिन आपको धैर्य की परीक्षा लेने वाला है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपको परेशानी में डाल सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर रखें।

वृश्चिक : आज आपको संयम और शांति से काम लेने की जरूरत है। थकान धीरे-धीरे दूर होगी और मन हल्का महसूस करेगा। परिवार में शादी की बात तय होने से खुशियों की लहर दौड़ सकती है।

धनु : आज आप काम में इतने व्यस्त रहेंगे कि समय का पता ही नहीं चलेगा। वैवाहिक जीवन में छोटी-मोटी नोकझोंक हो सकती है, लेकिन ये रिश्ते की मिठास ही है।

मकर : आज का दिन खुशियों और चुनौतियों का मिला-जुला रूप लेकर आया है। दोस्तों के साथ बिताया गया समय आपके चेहरे पर मुस्कान लाएगा।

कुम्भ : आज व्यापार में कुछ रुकावटें आपको परेशान कर सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी आपको सही रास्ता दिखाएगी। आपके फैसले लोगों को चौंका सकते हैं।

मीन : आज किस्मत आपके साथ खड़ी नजर आएगी। हर काम में फायदा मिलने के संकेत हैं, बस घर में शांति बनाए रखना जरूरी है। किसी जरूरी बात को हर किसी से साझा करने से बचें।

नमक सत्याग्रह ने बदल दी देश की तकदीर और तदबीर

बाल मुकुन्द ओझा

देश और दुनिया के इतिहास में 6 अप्रैल 1930 का दिन बेहद खास है। आज ही के दिन महात्मा गांधी ने दांडी पहुंचकर समुद्रतट पर अंग्रेजों द्वारा बनाया नमक कानून को तोड़ा। इसी कारण यह दिन इतिहास में अमर हो गया। स्वतंत्रता आंदोलन के कारण दांडी गावं का नाम विश्व मानचित्र में अंकित हुआ है। महात्मा गाँधी ने यहाँ नमक सत्याग्रह कर दुनियां का ध्यान खींचा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहाँ राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक एवं संग्रहालय का निर्माण कराकर गाँधी की याद को अमर किया है। नमक सत्याग्रह महात्मा गांधी द्वारा चलाये गये प्रमुख आंदोलनों में से एक था। भारत में अंग्रेजों के शासनकाल में नमक उत्पादन और विक्रय के ऊपर बड़ी मात्रा में कर लगा दिया था। नमक जीवन की जरूरी चीज होने के कारण भारतवासियों को इस कानून से मुक्त करने और अपना अधिकार दिलवाने हेतु सविनय अवज्ञा का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कानून भंग करने के बाद सत्याग्रहियों ने अंग्रेजों की लाठियाँ खाई थी परंतु पीछे नहीं मुड़े थे। इस आंदोलन में कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। ये आंदोलन पूरे एक साल चला और 1931 को गांधी-इर्विन समझौते से खत्म हो गया।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास इस बात का साक्षी है कि 1920 से 1946 तक आजादी की निर्णायक लड़ाई महात्मा गाँधी के नेतृत्व में लड़ी गई। आजादी के आंदोलन में 1930 में 12 मार्च से 6 अप्रैल तक साबरमती से दांडी तक आयोजित गाँधी के ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह का अहम् योगदान था जिसने पूरी दुनियां का ध्यान खींचा और इतिहास में इस सत्याग्रह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने 1930 में दांडी से अंग्रेजों के खिलाफ नमक सत्याग्रह की शुरुआत की थी। भारत के आधुनिक इतिहास का सबसे चर्चित गाँव है दांडी। पिछले 91 बरस से दुनियाभर में उसकी एक ऐसी पहचान है, जो मिटना तो दूर कभी धूमिल भी नहीं पड़ी। विश्व प्रसिद्ध दांडी गाँव गुजरात के शहर नवसारी से 16 किमी दूर स्थित है। अंग्रेजों ने नमक उत्पादन और उसके विक्रय पर भारी मात्रा में कर लगा दिया था। जिससे उसकी कीमत कई गुना तक बढ़ गई थी। अंग्रेजी शासन के दौरान भारत की अधिकतर गरीब जनसंख्या के खाने का नमक ही एक सहारा बचा था। उसपर भी अधिक कर होने से वे उसे खरीद पाने में असमर्थ थे। गांधीजी ने नमक कानून के खिलाफ 1930 में 12 मार्च से 6 अप्रैल तक साबरमती से दांडी तक पदयात्रा निकाली थी। जिसे दांडी मार्च कहा जाता है। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बापू का साथ दिया था। इस ऐतिहासिक मार्च को जीवंत करने के उद्देश्य से दांडी में राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक एवं संग्रहालय बनाया गया है। यहां प्रतिमाओं के अलावा एक म्यूजियम और गेस्ट हाउस भी है, जहां लोग ठहर सकते हैं।

दांडी में 110 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक तैयार किया गया है। यह स्मारक भारत के भीतर नमक बनाने और उसकी बिक्री पर ब्रिटिश सरकार की मनमानी कर वसूली के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन को गरिमामय तरीके से याद करता है। ये स्मारक 15 एकड़ भूमि पर बनाया गया है। समारक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 18 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई गई है। इसके अलावा यहां खारे पानी के कृत्रिम तालाब भी बनाए गए हैं। यहां नमक बनाने के लिए सोलर मेकिंग बिल्डिंग वाले 14 जार भी रखे गए हैं। 80 दांडी यात्रियों की सिलिकॉन ब्रांज की मूर्तियां 42 मूर्तिकारों ने बनाई हैं जिनमें अलग-अलग देशों के नौ मूर्तिकार शामिल है। 24 भित्तिचित्र और सिलिकॉन कांस्य का ढांचा लगभग दो दर्जन कलाकारों ने तैयार किया था। यहाँ गांधी की पांच मीटर ऊंची एक प्रतिमा है जिसके हाथ में छड़ी है। यद्यपि इस स्मारक के हर कोने में देखने योग्य कुछ न कुछ बहुत खास चीज है, लेकिन यहां का सबसे खास आकर्षण हैं गांधीजी के नेतृत्व में आए 80 सत्याग्रहियों की प्रतिमाएं।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल: पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार: क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा?

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्र विदेश नीति का संकट

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार और सरकारी डैमेज कंट्रोल

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

विकल्प नहीं, अनिवार्यता है वैकल्पिक ऊर्जा

वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्प भारत को स्थायी, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। अब समय आ गया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक परिवर्तन करे।

बिजली खपत का बदलता स्वरूप

भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली (जो अभी भी हमारी रीढ़ है) से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें 'ऊर्जा' में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है।

भविष्य का रोडमैप: ऊर्जा सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा

ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'आर्थिक प्रलय' का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति शृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। ये केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत नहीं बल्कि स्थायी ऊर्जा सुरक्षा के स्तंभ हैं। अंततः, यह स्पष्ट है कि वैश्विक शांति हमारे नियंत्रण में नहीं परंतु अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। आत्मनिर्भरता अब केवल नारा नहीं बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुकी है। यदि हम आज निर्णायक कदम नहीं उठाते तो भविष्य का अंधकार हमारी ही निष्क्रियता का परिणाम होगा।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

विदेश की खबरें

होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया तो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर हमले किए जाएंगे: ट्रंप

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर अवरुद्ध होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने रविवार सुबह एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर जलमार्ग को समुद्री यातायात के लिए नहीं खोला गया, तो ईरान को ''नरक में भेज दिया जाएगा।'' इससे पूर्व, ट्रंप ने दो हफ़्ते पहले हमले की धमकी दी थी, लेकिन उन्होंने जलमार्ग को खोलने की समयसीमा दो बार बढ़ाई थी। उन्होंने कहा था कि कि ईरानियों के साथ बातचीत में कुछ सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, युद्ध के कूटनीतिक समाधान की दिशा में प्रगति होने के संकेत बहुत कम दिखे हैं।

ईरान द्वारा लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता अमेरिकी सैन्य कर्मी बचाया गया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि ईरान द्वारा लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद से लापता अमेरिकी सैन्य कर्मी को बचा लिया गया है। विमान के चालक दल का यह सदस्य शुक्रवार से लापता था, जब ईरान ने अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल विमान को मार गिराया था। चालक दल के एक अन्य सदस्य को पहले ही बचा लिया गया था।

पश्चिम एशिया में ईंधन आपूर्ति संकट के बीच नेपाल ने सप्ताह में दो दिन अवकाश की घोषणा की

काठमांडू : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण पैदा हुए ईंधन आपूर्ति संकट के मद्देनजर नेपाल ने सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए सप्ताह में दो दिन अवकाश की रविवार को घोषणा की। मंत्रिपरिषद ने रविवार को सिंहदरबार सचिवालय में हुई बैठक में शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश देने का फैसला किया। सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा, ''मंत्रिमंडल ने सोमवार यानी छह अप्रैल से सभी सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए शनिवार और रविवार यानी दो दिन साप्ताहिक अवकाश देने का फैसला किया है और कार्यालय का समय सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक होगा।''

वर्ग पहेली नं. 3401

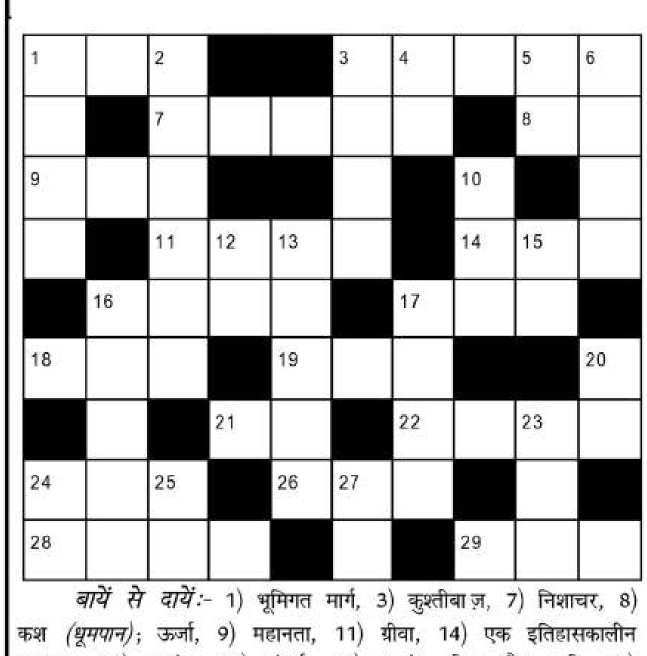

बायें से दायें:- 1) भूमिगत मार्ग, 3) कुश्तीबाज़, 7) निशाचर, 8) कश (धूमपान); ऊर्जा, 9) महानता, 11) ग्रीवा, 14) एक इतिहासकालीन बादशाह, 16) परतंत्र, 17) संपूर्ण, 18) अत्यंत नीच और पापी, 19) भीड़भाड़, 21) प्राकृतिक जलाशय, 22) खानेपीने का संयम, 24) समझना, 26) शपथ, 28) पेड़ के गिरे हुए सूखे पत्ते, 29) असहाय.

ऊपर से नीचे:- 1) सरलता, 2) हीलहुज्जत, 3) एक संख्या, 4) प्रत्येक, 5) तर्क-वितर्क, 6) रामराम, 10) स्पष्टवादी, 12) ध्वनि, 13) डैसिमल (अंकगणित), 15) शक्ति, 16) गुलामी, 17) उप-संहार, 20) शासन, 23) गणेश, 24) सुमिरन; नाम-पाठ, 25) डोंगा, 27) छोला.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3359

			7					8
	4		3			7		
	7	9				1		
				4	7	2		
6								
		5	6					3
				2	5		8	
4					8		9	2
5				3				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3358 का उत्तर

6	7	4	5	3	1	8	9	2
1	5	2	4	9	8	3	7	6
9	3	8	6	7	2	4	5	1
4	6	9	7	8	3	1	2	5
5	1	3	9	2	4	7	6	8
2	8	7	1	6	5	9	4	3
8	4	1	2	5	9	6	3	7
3	2	6	8	4	7	5	1	9
7	9	5	3	1	6	2	8	4

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ 2029 के लोकसभा चुनाव से मिलना शुरू हो जाएगा : मोदी

- **कूचबिहार की रैली में महिलाओं को साधने की कोशिश**
- **बंगाल में महिला मतदाता करीब 3.44 करोड़**
- **ममता बनर्जी के मजबूत महिला वोट बैंक पर नजर**
- **संदेशखाली मुद्दे के जरिए सुरक्षा और सम्मान का वादा**

कूचबिहार : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ उन्हें 2029 के संसदीय चुनावों से मिलना शुरू हो जाएगा। मोदी ने पिछले महीने चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर बंगाल में अपनी पहली रैली में कूचबिहार के विशाल मैदान को बंगाल की महिलाओं से सीधी अपील करने के लिए इस्तेमाल किया, राज्य की शक्ति पूजा की परंपरा, संदेशखलि का उल्लेख किया और भाजपा को महिलाओं के लिए सुरक्षा, गरिमा और सशक्तिकरण के गारंटर के रूप में प्रस्तुत किया। मोदी ने कहा, देश के लिए यह महत्वपूर्ण है कि देश के लिए लिये जाने वाले निर्णयों में महिलाओं की अधिक भूमिका हो। इसलिए, हमारी सरकार ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला कानून बनाया है।

पश्चिम बंगाल में जहां लगभग आधी मतदाता महिलाएं हैं और तृणमूल कांग्रेस के चुनावी वर्चस्व का आधार हैं, वहां इस बयान के बड़े राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अब यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि 2023 में पारित आरक्षण कानून अगले लोकसभा चुनाव से लागू हो जाए।

उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल और पूरे देश की बहनों को 2029 के लोकसभा चुनाव से ही इसका लाभ मिलना शुरू हो जाना चाहिए। हम इसे सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए, सरकार ने इस महीने संसद का विशेष सत्र बुलाया है।''

उन्होंने कहा, माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 वर्षों से लंबित है। इसमें और देरी नहीं होनी चाहिए। मोदी की यह टिप्पणी विपक्षी दलों के साथ-साथ देश भर की महिला मतदाताओं को भी लक्षित करती प्रतीत होती है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में संकेत दिया था कि संसद जल्द ही एक महत्वपूर्ण विधेयक पर विचार करने के लिए फिर से बैठेगी।

संसद का बजट सत्र तीन और दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है और संक्षिप्त अवकाश के बाद 16 अप्रैल को फिर से शुरू होगा। केंद्र सरकार लोकसभा सीट की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने के लिए विधेयक लाने की योजना बना रही है।

सीट में प्रस्तावित वृद्धि का उद्देश्य 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के कार्यान्वयन को सुगम बनाना है।

कूच बिहार और आसपास के जिलों की बड़ी संख्या में महिलाओं समेत भारी भीड़ ने मोदी, मोदी के नारे लगाकर प्रतिक्रिया दी, जिस पर प्रधानमंत्री ने उनसे राजनीतिक दलों पर इस विधेयक का समर्थन करने के लिए दबाव बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा, हम संसद में महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाने पर दृढ़ मुहर लगाना चाहते हैं, ताकि राज्यों को इसका पूरा लाभ मिल सके। यह पूरे देश का काम है। यह किसी एक पार्टी का काम नहीं है। इसलिए, हमने सभी पार्टियों से चर्चा की है। मैं सभी पार्टियों से आग्रह करता हूं कि वे एकजुट होकर महिलाओं के अधिकारों के इस मुद्दे का सर्वसम्मति से समर्थन करें।

मोदी ने रैली मंच से इस मुद्दे पर व्याप्त आशंकाओं को दूर करने का भी प्रयास किया। उन्होंने कहा, कूच बिहार से, मैं देश के सभी राज्यों को फिर से आश्वस्त करता हूं कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अच्छा काम किया है, उन्हें सीट के मामले में कोई नुकसान नहीं होगा। सभी को लाभ होगा। सभी राज्यों की भागीदारी और अधिकार सुरक्षित रहेंगे।

हाल के वर्षों में बंगाल में पुरुषों की तुलना में अधिक संख्या में मतदान करने वाली महिला मतदाताओं को अब सभी पार्टियां राज्य का सबसे निर्णायक चुनावी समूह मानती हैं।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद, कुल 7.04 करोड़ मतदाताओं में महिला मतदाताओं की संख्या लगभग 3.44 करोड़ है, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3.60 करोड़ है।

पिछले एक दशक में, लक्ष्मीर भंडार, कन्याश्री और स्वास्थ्य साथी जैसी कल्याणकारी योजनाओं के बल पर महिलाएं ममता बनर्जी के राजनीतिक गठबंधन का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभरी हैं।

भवानीपुर में भाजपा धर्म के नाम पर जहर फैला रही है : ममता बनर्जी

मुर्शिदाबाद : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को जिले के जियागंज में एक अन्य जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि कोलकाता के उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में मतदाता सूची से 40,000 नाम हटा दिए गए हैं। ममता ने कहा कि जिन लोगों को वोट देने का मौका मिलेगा, वे सभी तृणमूल के पक्ष में अपना वोट डालेंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के समर्थक भी 'भगवा ब्रिगेड' को वोट नहीं देंगे, बल्कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी का समर्थन करेंगे। मुख्यमंत्री ने एसआईआर प्रक्रिया में हिंदुओं के नाम भी काटे जाने का दावा करते हुए कहा कि मैं एक हिंदू परिवार से हूं, मेरे परिवार के सदस्यों के नाम भी काट दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म के नाम पर 'जहर फैला रही है', जबकि धर्म मानवता का प्रतीक है। तृणमूल प्रमुख ने आरोप लगाया कि अन्य राज्यों में रह रहे बंगाल के प्रवासी श्रमिकों को बांग्लादेशी बताकर निर्वासित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भाजपा द्वारा किए गए कुकृत्यों ही 2026 में उसके पतन का कारण बनेंगे।

❑ भवानीपुर मामले में भाजपा के इशारे पर पुलिस अधिकारियों का निलंबन

भवानीपुर से भाजपा नेता सुभेंदु अधिकारी के नामांकन के लिए आयोजित रैली के दौरान हुई झड़पों पर निर्वाचन आयोग की कार्रवाई की ओर इशारा करते हुए ममता ने दावा किया कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं था ,जब मुख्य विपक्षी पार्टी के समर्थक 'अपमानजनक इशारे' कर रहे थे और जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि लेकिन भाजपा के इशारे पर एक उपायुक्त सहित चार पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। ममता ने पूरे जीवन संघर्ष करने का दावा करते हुए कहा कि मैं बिना संघर्ष किए एक इंच भी जमीन नहीं छोड़ूंगी। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी 294 सीट पर मुकाबला उनके और भाजपा के बीच है।

❑ अधिकारियों के दूसरे राज्य में भेजने पर उठाया सवाल

मुख्यमंत्री ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों को पहले निर्वाचन आयोग ने उनके पदों से हटा दिया। उन्होंने सवाल किया कि उन अधिकारियों को अब तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए क्यों भेजा जा रहा है। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के रिश्तेद-ारों को पश्चिम बंगाल में तैनात किया गया है।

❑ मनीरुल इस्लाम को निलंबित करने की चेतावनी

टिकट न मिलने को लेकर पार्टी के कुछ नेताओं में व्याप्त असंतोष को शांत करने की कोशिश करते हुए ममता ने शमशेरगंज में कहा कि जनता के लिए काम करने वालों को ही उम्मीदवार बनाया जाएगा। ममता ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि फरक्का से तृणमूल के मौजूदा विधायक मनीरुल इस्लाम ने एक अन्य नेता अमीरुल इस्लाम को टिकट दिए जाने के बावजूद नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने कहा कि मैं उनसे नामांकन पत्र वापस लेने का आग्रह करती हूं, लेकिन अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो मैं जिला अध्यक्ष खलीलुर रहमान से उन्हें पार्टी से निलंबित करने के लिए कहूंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के फैसले का अनादर करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह कहा कि भाजपा ने मुस्लिम मतों को बांटने के लिए बंगाल में 'कुछ गद्दारों' के साथ साठगांठ कर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) को लाया है।

❑ ममता ने बहरामपुर में मार्च निकाला

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का गढ़ माने जाने वाले बहरामपुर शहर में रविवार को एक मार्च का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख मुर्शिदाबाद जिला मुख्यालय की संकरी गलियों से गुजरीं जहां लोग मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए खड़े थे। इस दौरान, ममता बनर्जी ने लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया और कुछ लोगों से हाथ मिलाया। गिरजा मोड़ से खगरा चौरास्ता तक 1.6 किलोमीटर लंबे मार्ग पर तृणमूल कांग्रेस के झंडे लहरा रहे थे।

चुनाव आयोग दूसरे राज्यों से 3000 पुलिस बंगाल लाएगा

सुप्रतिम सरकार की याचिका खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : चुनाव आयोग ने बंगाल में वोटिंग कराने के लिए दूसरे राज्यों से पुलिस लाने का फैसला किया है। आयोग ने पहले फेज की वोटिंग के लिए राज्य में 2400 सेंट्रल फोर्स तैनात करने का फैसला किया है। जिसमें से 480 कंपनी फोर्स राज्य में हैं। लेकिन फिर भी, दूसरे राज्यों से हथियारबंद पुलिस लाने का फैसला किया गया है। आयोग के सूत्रों के मुताबिक, वोट की सुरक्षा के लिए दूसरे राज्यों से 3000 हथियारबंद पुलिस लाई जा रही है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कोलकाता के पूर्व पुलिस कमिश्नर सुप्रतिम सरकार की रिक्वेस्ट खारिज कर दी है। उन्हें कल यानी सोमवार तक तमिलनाडु में काम पर लौटने का आदेश दिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, सबसे ज्यादा फोर्स उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश से आ रही है। गौरतलब है कि इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकार है। हालांकि, आयोग के सूत्रों के मुताबिक, इस राज्य में शांतिपूर्ण वोटिंग कराने के लिए सिर्फ भाजपा शासित राज्यों से ही नहीं, बल्कि कई दूसरे राज्यों की पुलिस का भी इस्तेमाल किया जाएगा। यह आर्म्ड पुलिस फोर्स 13 अप्रैल से बंगाल आना शुरू हो जाएगी।

इस बीच, कमीशन ने सुप्रतिम सरकार को तमिलनाडु का ऑब्जर्वर अपॉइंट किया। हालांकि, उन्होंने तुरंत मेडिकल कारणों का हवाला देते हुए ड्यूटी से राहत मांगी। उन्होंने कमीशन में एक एप्लीकेशन फाइल की। पता चला है कि कमीशन ने कोलकाता के पूर्व पुलिस कमिश्नर की रिक्वेस्ट पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसके बजाय, खबर है कि कमीशन ने उन्हें सोमवार को ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी संभालने का ऑर्डर दिया। पता चला है कि सुप्रतिम सरकार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली, अंबासमुद्रम, पलायमकोट्टई नांगुनेरी और राधापुरम में पुलिस ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी गई है।

मोदी सरकार ने राज्य के लोगों को भूखा मारने के लिए राज्य का बकाया रोक रखा है : अभिषेक बनर्जी

पूर्व बर्दवान : तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को बार-बार सत्ता में पहुंचाने पर राज्य के लोगों को भूखा मार देने के लिए उसने पिछले पांच वर्षों से राज्य का बकाया रोक रखा है। इस दिन, पूर्व बर्दवान जिले के रैना में पार्टी प्रत्याशी मंदिरा डोलुई के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अगर वह सच नहीं बोल रहे हैं, तो भाजपा सबूतों के साथ उनका खंडन करे और उन्हें जेल भेज दे। उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य की परियोजनाओं के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बकाया

राशि जारी नहीं की है। उसने ऐसा राज्य के गरीब लोगों को भूखा मारने के लिए किया है, क्योंकि उन्होंने लगातार विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में पहुंचाया। तृणमूल सांसद ने कहा कि लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस चुनौती का डटकर सामना किया और ग्रामीण रोजगार के लिए 'कर्मश्री', आवास के लिए 'बंग्लार बारी' और पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं जैसी योजन-ाओं को राज्य के अपने संसाधनों से चलाया। तृणमूल महासचिव ने श्रोताओं से रूबरू होते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस आपके चेहरे पर मुस्कान देखना चाहती है, जबकि मोदी आपकी आंखों में आंसू देखना चाहते हैं क्योंकि आपने लगातार चुनावों में भाजपा को नकार दिया है। आपको भूखा मारने की इस साजिश को लेकर आप बंगाल विरोधी पार्टी को मुंहतोड़ जवाब दें। ममता सरकार द्वारा शुरू की गई जनहितैषी कदमों का जिक्र करते हुए अभिषेक ने कहा कि राज्य की 24 लाख महिलाओं को 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत हर महीने पैसा मिल रहा है और यह परियोजना जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हमारे राज्य का पैसा रोके जाने के बाद, दो वर्षों में 'बंग्लार बारी' योजना के तहत 32 लाख लोगों को घर दिए गए हैं। अगले पांच वर्षों में, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य के सभी वंचित व्यक्तियों के पास रहने के लिए छत हो। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि अगर मैं झूठ बोलूं तो मुझे जेल में डाल दे। उन्होंने भाजपा पर उनके साथ सार्वजनिक रूप से सीधी बहस करने से डरने का आरोप लगाया है।

बारानगर : एड़ी–चोटी का जोर, लड़ाई आर–पार की

उम्मीदवारों और प्रचारकों द्वारा धुआंधार प्रचार

पोस्टर फाड़े जाने के बाद चुनावी माहौल गरमाया

नामांकन	नाम वापसी	मतदान	मतगणना
9 अप्रैल तक	13 अप्रैल तक	29 अप्रैल	4 मई

मुख्य उम्मीदवारों का संक्षिप्त परिचय

सायंतिका बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार, बंगाली सिनेमा का एक प्रसिद्ध चेहरा, राजनीति में भी सक्रिय, 2021 में तृणमूल का दामन थामा, बांकुड़ा से चुनाव हारी, 2024 के उप-चुनाव में बराहनगर से जीती

सजल घोष, भाजपा के उम्मीदवार, लड़ाकू और बेबाकी नेता की छबि, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और फिर 2021 में भाजपा का दामन, कोलकाता वार्ड 50 से पार्षद, 2024 के उपचुनाव में बराहनगर से हार

सायनदीप मित्रा, सीपीआईएम के उम्मीदवार, राजनीतिक मुद्दों और चर्चाओं में अपने मुखर विचारों से पहचान, डीवाईएफआई के पश्चिम बंगाल के राज्य सचिव, 2021 विधानसभा चुनाव में कमरहाटी से हार

पिछले उप चुनाव 2024 का परिणाम

उम्मीदवार	पार्टी	प्राप्त वोट	प्रतिशत
सायंतिका बनर्जी	तृणमूल	69,251	43.04
सजल घोष	भाजपा	61,101	37.98
तन्मय भट्टाचार्या	सीपीआईएम	26,735	16.62

वर्तमान प्रतिनिधित्व : सायंतिका बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस वर्तमान विधायक हैं, जिन्होंने उपचुनाव 2024 में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सजल घोष को 8150 मतों के अंतर से को हराकर यह सीट जीती थी।

चुनावी मुद्दे : पश्चिम बंगाल के बारानगर विधानसभा क्षेत्र की मूल समस्याओं में पुराने मकानों का जीर्णोद्धार प्रमुख हैं। उत्तर कोलकाता के पास स्थित होने के कारण, यहाँ संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन भी एक बड़ी चुनौती है। जल निकासी व्यवस्था की पुरानी पाइपलाइनों के कारण वर्षा काल में प्रमुख क्षेत्रों में पानी भर जाना। थोड़ी भी बारिस में पानी घंटो-घंटो तक नहीं निकलता। स्थानीय युवाओं के लिए सीमित औद्योगिक अवसर के कारण बेरोजगारी की समस्या।

अरविंद ठाकुर

कोलकाता, समाज्ञा : राम भरोसे जीतने का यदि प्रयास है तो यह बंगाल का चुनाव है। जीतने के लिए चारों कलाएं लगानी पड़ती हैं। और तो और यहाँ हर बार परिवर्तन का चलन भी नहीं है। ताल दोनों तरफ से ठोकी जा रही है, आमने-सामने होने पर कहीं कोई उन्नीस तो कहीं बीस। बारानगर में तो कमोबेश यही स्थिति है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में भी अंतर्विरोध की आवाज गूँज रही है, भले ही ज्यादा मुखर न हो। तोलाबाज़ी, कटमनी की गंध भी आम जनता तक पहुँच रही है। भारतीय राजनीती के इतिहास में सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री रहे ज्योति बसु का निर्वाचन क्षेत्र होने के नाते वामपंथ की जड़ें मजबूत है। झंडा, बैनर, फेस्टून के साथ-साथ कैडर भी दिखाई देते हैं। लेकिन जिस चुनावी रणनीति के लिए वामपंथी जाने जाते हैं और चुनाव लड़ने के लिए जो गर्मजोशी नेता और कैडर में होनी चाहिए वो कम है। इसलिए सीधा मुकाबला भाजपा और तृणमूल कांग्रेस में है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व :

1512 में इस क्षेत्र में चैतन्य महाप्रभु का आगमन हुआ था, इसका प्रभाव आज भी यहाँ की सभ्यता और संस्कृति में दीखता है। पुर्तगाल और डच के बाद यह अंग्रेजों के भी व्यापार का केंद्र रहा, जिसमें सुअर का मांस निर्यात और जूट उद्योग की प्रमुखता रही। बराहनगर देश की प्राचीनतम नगर पालिका है।

भौगोलिक संरचना :

उत्तर 24 परगना जिले के दमदम लोकसभा क्षेत्र का प्रमुख विधानसभा जिसमें आलमबाजार, बनहुगली, नोआपारा और डनलप जैसे इलाके संलग्न हैं। बराहनगर नगर पालिका और और कमरहाटी के वार्ड 17 से 20 इस विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

चुनावी संरचना :

मतदाता संख्या 2026 में कुल 1,86,596 (अभी तक) हैं, जिसमें 90,637 पुरुष और 95,955 महिलाएं तथा 4 अन्य हैं।

आबादी :

क्षेत्र की पूरी जनसंख्या में 95% हिन्दू, 3% मुस्लिम और 2% अन्य की भागीदारी है। 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या करीब 2 लाख 45 हजार है।

अवलोकन :

कला के क्षेत्र में मशहूर उम्मीदवार को जनता के एक वर्ग का विशेष समर्थन मिलता ही है। क्षेत्र में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक है, इसका आंशिक लाभ महिला उमीदवार को मिल सकता है। दीदी की लोकप्रियता और जनकल्याणी योजनाओं का लाभ बेशक सत्ताधारी पार्टी को मिलेगा।

वर्तमान परिस्थिति में स्थानीय समस्याओं को नियोजित तरीके से सिलसिलेवार लोगों के सामने रखने का लाभ मिलेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा प्रचार किये जाने का लाभ मिल सकता है। हिन्दू आव-ादी अधिक होने से भाजपा उम्मीदवार के लिए वोट में बढ़त के आसार बनते हैं, साथ ही भाजपा के योजनाबद्ध और कौशलपूर्ण तरीके से चुनाव लड़ने का लाभ मिल सकता है

यह विधान सभा क्षेत्र चुनाव में बड़ी उलटफेर का गवाह रहा है। सबसे लम्बे समय तक किसी राज्य के मुख्यमंत्री रहे कद्दावर नेता ज्योति बसु के जीवन की एकमात्र चुनावी हार 1972 में यहीं हुई थी। पिछले चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे उम्मीदवार का 17% वोट यह संकेत करता है कि जीत भले ही उसकी न हो लेकिन हार-जीत में नगण्य नहीं है।

'क्या मतदान के दिन या बाद में डराया जाता है?'

- **नंदीग्राम में लोगों से सीधे संवाद, सीईओ ने जाना हाल**
- **मैदान में उतरे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संवेदनशील बूथों का दौरा; महिला ने सुनाई दहशत की कहानी**

पूर्व मिदनापुर : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ते तनाव और छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बीच चुनाव आयोग अब जमीनी स्तर पर हालात का जायजा लेने में जुट गया है। इसी कड़ी में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल रविवार को नंदीग्राम पहुंचे और वहां संवेदनशील बूथों का दौरा किया।

दौरे के दौरान उन्होंने आम लोगों से सीधे बातचीत कर स्थिति समझने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने लोगों से सवाल किया कि क्या मतदान के दिन या उसके बाद उन्हें डराया-धमकाया जाता है? बातचीत के दौरान एक महिला ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि चुनाव के समय किस तरह उन्हें भय का सामना करना पड़ता है। अपनी बात कहते-कहते वह भावुक होकर रो पड़ीं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने लोगों को आश्वस्त किया कि इस बार चुनाव आयोग की ओर से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी और सभी मतदाता बिना किसी डर के शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कर सकेंगे।

गौरतलब है कि चुनाव की घोषणा के बाद से राज्य के विभिन्न हिस्सों से तनाव और हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। हाल ही में कालियाचक में ट्रिब्यूनल के काम के दौरान न्यायाधीशों को घेरकर रोकने की घटना ने भी राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है।

नंदीग्राम दौरे के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी की। इसके अलावा उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत कर उनकी शिकायतें सुनीं।

बैठक में भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि बाहरी असामाजिक तत्व नंदीग्राम में प्रवेश कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार करते हुए भाजपा पर विभिन्न इलाकों, खासकर मयना के बकचा क्षेत्र में हिंसा फैलाने का आरोप लगाया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दोनों पक्षों की शिकायतें सुनने के बाद आश्वासन दिया कि सभी मामलों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि भगवानपुर और खेजुरी जैसे संवेदनशील इलाकों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था तैनात की जाएगी।

चुनाव आयोग की इस सक्रियता को राज्य में निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

फरक्का सीट के उम्मीदवार का नाम वोटर सूची में जोड़ने का आदेश, ट्रिब्यूनल का पहला फैसला

- **नाम शामिल न होने पर नामांकन संकट में था, समय सीमा से पहले आयोग ने किया निपटारा**

कोलकाता/मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (डखठ) के तहत मतदाता सूची को लेकर चल रहे विवाद के बीच एक अहम मामले में ट्रिब्यूनल ने बड़ा फैसला सुनाया है। फरक्का विधानसभा क्षेत्र के एक कांग्रेस उम्मीदवार का नाम मतदाता सूची में शामिल करने का निर्देश दिया गया है। यह इस तरह का पहला मामला है, जिसमें ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट आदेश देते हुए उम्मीदवार को राहत दी है। जानकारी के अनुसार, संबंधित उम्मीदवार का नाम मतदाता सूची से बाहर था, जिससे उनका नामांकन दाखिल करना संकट में पड़ गया था। यदि 6 अप्रैल तक उनके नाम पर निर्णय नहीं होता, तो वे चुनाव में नामांकन ही नहीं कर पाते। मामले की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ट्रिब्यूनल में लंबित मामले का निपटारा कराया। ट्रिब्यूनल के आदेश के बाद अब उम्मीदवार का नाम मतदाता सूची में शामिल कर लिया गया है, जिससे उनके चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। इस फैसले को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राज्य में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटने और विचाराधीन रहने को लेकर पहले से ही विवाद बना हुआ है। राजनीतिक हलकों में इस फैसले के बाद बहस तेज हो गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि आम लोगों के मामलों में इतनी तेजी नहीं दिखाई जाती, जबकि चुनावी उम्मीदवार के मामले में तुरंत कार्रवाई की गई। वहीं प्रशासन का कहना है कि कानूनी प्रक्रिया के तहत समयसीमा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया।

हसनाबाद में वोटर सूची से नाम कटने पर बवाल, माखलगाछा में सड़क जाम कर प्रदर्शन

❑ **बूथ 251, 252 और 253 से 700 वोटरों के नाम गायब, तृणमूल पंचायत सदस्य का नाम भी सूची में नहीं**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर उत्तर 24 परगना के हसनाबाद क्षेत्र में तीखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। बसिरहाट उत्तर विधानसभा के माखलगाछा ग्राम पंचायत इलाके में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटने के आरोप में स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, माखलगाछा ग्राम पंचायत के बूथ संख्या 251, 252 और 253 में कुल करीब 700 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इतना ही नहीं, बूथ संख्या 251 में तृणमूल कांग्रेस के एक पंचायत सदस्य का नाम भी सप्लीमेंटरी सूची में नहीं होने का दावा किया गया है।

इस घटना के बाद माखलगाछा इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। नाराज लोगों ने सड़क जाम कर दिया और टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बिना किसी स्पष्ट कारण के बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जिससे उनका मतदान का अधिकार खतरे में पड़ गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्होंने सभी जरूरी दस्तावेज समय पर जमा किए थे, इसके बावजूद उनके नाम सूची से गायब हैं। कई परिवारों के एक साथ नाम हटने से लोगों में असंतोष और भी बढ़ गया है।

स्थिति बिगड़ने की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने की कोशिश की। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी और जिनका नाम गलत तरीके से हटाया गया है, उन्हें फिर से सूची में जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (डखठ) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से नाम हटने को लेकर कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे चुनाव से पहले माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया है।

न्यूटाउन में अवैध कब्जे के खिलाफ प्रदर्शन, विरोध के दौरान तनाव

❑ **जलाशय पर अवैध निर्माण का आरोप, स्थानीय लोगों का उग्र विरोध**

कोलकाता : न्यूटाउन क्षेत्र में कथित अवैध कब्जे और निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। रविवार को बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

जानकारी के अनुसार, आरोप है कि एक जलाशय (पानी के स्रोत) पर अवैध रूप से निर्माण कार्य किया जा रहा था, जिससे पर्यावरण और स्थानीय जल निकासी व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। इस मुद्दे को लेकर इलाके के निवासियों में लंबे समय से नाराजगी थी, जो अब सड़क पर उतरकर विरोध में बदल गई।

प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने आत्मदाह की धमकी दी। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति ने अपने ऊपर केरोसिन डालकर विरोध जताने की कोशिश की, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। हालांकि मौजूद लोगों और प्रशासन की तत्परता से स्थिति को संभाल लिया गया और किसी बड़ी घटना को टाल दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं की गई, जिसके कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। उन्होंने मांग की कि जलाशय को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

वहीं प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और यदि अवैध कब्जे की पुष्टि होती है तो नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है और स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है।

चौरंगी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी संतोष पाठक के समर्थन में उतरे सजल घोष, किया चुनाव प्रचार।

वोट से पहले कोलकाता में नकदी पकड़ी गई, नेताजी नगर में कार से 37.97 लाख रुपये बरामद

❑ **नाका चेकिंग के दौरान कार्रवाई, आयकर विभाग को सौंपा गया पैसा; एक व्यक्ति हिरासत में**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कोलकाता में भारी मात्रा में नकदी बरामद होने से हड़कंप मच गया है। नेताजी नगर थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात नाका चेकिंग के दौरान एक कार से 37 लाख 97 हजार रुपये बरामद किए गए। इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार, नेताजी नगर थाना अंतर्गत एनएससी बोस रोड स्थित प्लाईवुड हाउस मोड़ पर पुलिस और एसएसटी (स्टैटिक सर्विलांस टीम) संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान अलीपुर की ओर से आ रही एक संदिग्ध कार को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि जब्त वाहन का नंबर डब्ल्यूबी-01-बीडी-3693 है। कार में सवार व्यक्ति की पहचान आशुतोष अग्रवाल (36) के रूप में हुई है, जो अलीपुर थाना क्षेत्र के जजेस कोर्ट रोड स्थित एक आवासीय परिसर का निवासी बताया जा रहा है। प्राथमिक पूछताछ में वह इतनी बड़ी रकम के स्रोत और उपयोग के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। आशंका जताई जा रही है कि चुनाव से पहले इस नकदी को कहीं ले जाया जा रहा था। हालांकि पैसे का वास्तविक उद्देश्य क्या था, इसकी जांच जारी है। पुलिस ने नियमानुसार पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए जब्त नकदी को आयकर विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया है। आयकर विभाग अब इस मामले की विस्तृत जांच करेगा। सूत्रों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति को जल्द ही आयकर विभाग के समक्ष पेश होने के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। यदि वह इस रकम के वैध स्रोत का प्रमाण दे पाता है, तो उसे पैसा वापस मिल सकता है, अन्यथा यह राशि सरकारी खाते में जमा कर दी जाएगी। गौरतलब है कि चुनाव के मद्देनज़र पूरे राज्य में नाका चेकिंग और निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि अवैध रूप से नकदी, शराब या अन्य सामग्री के परिवहन को रोका जा सके।

कोलकाता में पुलिस अधिकारियों में बड़ा फेरबदल, चुनाव आयोग ने बदले कई थाना प्रभारी

❑ **भवानीपुर घटना के बाद सख्ती, कई अहम थानों के ओसी का तबादला**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने कोलकाता पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई थानों के अधिकारियों-प्रभारी (ओसी) को बदल दिया है। यह कार्रवाई चुनावी निष्पक्षता सुनिश्चित करने और कानून-व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से की गई है। आयोग के आदेश के तहत पार्क स्ट्रीट, गड़ियाहाट, चेतला, एंटाली और अन्य महत्वपूर्ण थानों के ओसी और अतिरिक्त ओसी का तबादला किया गया है। कई अधिकारियों को इंटेलिजेंस विभाग, स्पेशल टास्क फोर्स (डख्क) और डिटेक्टिव डिपार्टमेंट में भेजा गया है, जबकि नए अधिकारियों को इन थानों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि यह फेरबदल आदेश संख्या 181 और 182 के तहत किया गया है, जिसमें इंस्पेक्टर स्तर के कई अधिकारियों को स्थानांतरित किया गया है। कुछ थानों में आपसी अदला-बदली भी की गई है, जिससे प्रशासनिक संतुलन बनाए रखा जा सके। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में भवानीपुर में नामांकन और रोड शो के दौरान कानून-व्यवस्था बिगड़ने का मामला सामने आया था। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने पहले चार पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का निर्देश दिया था और संबंधित पदों पर तत्काल बदलाव की बात कही थी। इसी पृष्ठभूमि में आयोग ने 24 घंटे के भीतर कोलकाता पुलिस के कई थानों के प्रभारी बदल दिए, ताकि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही या पक्षपात की आशंका को खत्म किया जा सके। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग लगातार प्रशासनिक स्तर पर बड़े बदलाव कर रहा है, जिसमें पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले शामिल हैं, ताकि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित किया जा सके।

युवा शक्ति संगम, कोलकाता ने आदिवासी बच्चों के लिए निःशुल्क वितरण कार्यक्रम से जनसेवा की मिसाल पेश की

कोलकाता, समाज्ञा : मानवता और सेवा भाव में विश्वास रखने वाली कोलकाता की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था युवा शक्ति संगम द्वारा गिरिडीह जिले के पिरटांड़ प्रखंड स्थित आदिवासी गांव मंझलाडीह और मंडलडीह में एक भव्य और सराहनीय सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत गांव के बच्चों के बीच निःशुल्क वस्त्र, उपहार, एक्सरसाइज कॉपियां और पेंसिल बॉक्स वितरित किए गए। संस्था के अध्यक्ष बिमल सिपानी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के पवित्र जाप से हुआ, जिसके बाद सभी उपस्थित जनों ने राष्ट्रगान गाकर देशभक्ति की भावना को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और उत्साह साफ तौर पर देखा गया, जो इस पहल की सफलता की गवाही दे रहा था। यह आयोजन संस्था द्वारा समय-समय पर कोलकाता से आकर आदिवासी क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने की निरंतर पहल का हिस्सा है, जिससे समाज के वंचित वर्ग को संबल और सहयोग मिल रहा है। इस सेवा कार्य में सुदीप बैंद, राजेंद्र सिंघी, महेंद्र चौधरी, आलोक जैन, रंजीत ओझा, हेमंत भारुका, अजय भंडारी और सुंदरलाल राखेचा का विशेष योगदान रहा। इनके समर्पण और सक्रिय सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नंदीग्राम में टीएमसी की दीवार लिखाई मिटाने का आरोप, गिरफ्तारी न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

❑ **दोनों दलों में तनाव बढ़ा, पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग**

पूर्व मिदनापुर : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच नंदीग्राम में एक बार फिर राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने उनकी दीवार लिखाई (वॉल पेंटिंग) को मिटा दिया। इस घटना के बाद इलाके में विवाद गहरा गया है। जानकारी के अनुसार, टीएमसी समर्थकों का कहना है कि चुनाव प्रचार के तहत बनाई गई पार्टी की दीवार लिखाई को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जानबूझकर हटाया। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। दूसरी ओर भाजपा ने आरोपों को खारिज करते हुए पलटवार किया है। पार्टी का कहना है कि इस मामले में उन्हें राजनीतिक रूप से बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि यदि इस मुद्दे पर निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों की गिरफ्तारी नहीं की गई, तो वे बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। घटना के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए निगरानी बढ़ा दी है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र पहले से ही राज्य की सबसे संवेदनशील सीटों में से एक माना जाता है, जहां चुनाव के दौरान अक्सर राजनीतिक टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे में इस तरह की घटनाएं चुनावी माहौल को और अधिक गर्म बना रही हैं।

अमृत भारत के अगले-पीढ़ी कोच का सैंपल तैयार, रेल मंत्री ने किया निरीक्षण

कोलकाता : भारतीय रेल में आधुनिकता की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए अगले-पीढ़ी के अमृत भारत कोच का सैंपल कोच तैयार किया गया है। रेल मंत्री ने 4 अप्रैल को नई दिल्ली स्टेशन पर इन सैंपल कोचों का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार, इन कोचों का इंटीरियर विशेष रूप से यात्रियों की सुविधा, आराम और यात्रा अनुभव को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। कोचों में पीवीसी फर्श, सीट और बर्थ रेक्सीन, स्नैक टेबल, परदे और शौचालय क्षेत्रों के लिए समन्वित रंग योजनाओं का इस्तेमाल किया गया है। रेल मंत्रालय ने बताया कि सभी सामग्री एचएल3 अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ कोच का दृश्य आकर्षण भी बढ़ाया गया है। इस रंग योजना में आधुनिक, सुरुचिपूर्ण और समान रूप अपनाया गया है, जो टिकाऊपन और रखरखाव में आसानी प्रदान करता है। यह पहल भारतीय रेल की लगातार चल रही कोशिशों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रोलिंग स्टॉक का आधुनिकीकरण, ऑनबोर्ड माहौल में सुधार और यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

बेलदा में ट्रेन से गिरकर व्यक्ति की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के बेलदा क्षेत्र में रविवार सुबह एक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, बेलदा रेलवे स्टेशन के समीप अप लाइन पर एक एक्सप्रेस ट्रेन से गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, रविवार की सुबह अचानक ट्रेन से गिरने की घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफ़रा-तफ़री मच गई। घटना की सूचना पाकर रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। रेल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृत व्यक्ति की पहचान करने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि चलती ट्रेन से गिरने के कारण व्यक्ति की मौत हुई है। हालांकि, यह हादसा किस परिस्थिति में हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

लिलुआ के नशामुक्ति केंद्र में युवक की संदिग्ध मौत, पीट-पीटकर हत्या का आरोप

हावड़ा, लिलुआ : हावड़ा के लिलुआ स्थित एक नशामुक्ति केंद्र में युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। जिसमें परिजनों ने पीट-पीटकर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मृतक की पहचान माधव सरकार के रूप में हुई है, जो लिलुआ के आनंदनगर इलाके के निवासी थे। उन्हें 23 मार्च को नशामुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। मृतक की पत्नी झुमा सरकार ने आरोप लगाया कि भर्ती के बाद से उन्हें अपने पति से मिलने नहीं दिया गया और न ही फोन पर बात करने की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह अचानक उन्हें फोन कर आधार कार्ड लेकर केंद्र आने के लिए कहा गया। उनका आरोप है कि जिस व्यक्ति ने उनके पति की पिटाई की, उसी ने फोन कर मौत की सूचना दी।

परिजनों का दावा है कि शनिवार रात को ही माधव सरकार को पाइप और बेल्ट से पीट-पीटकर मार डाला गया। घटना के बाद केंद्र के अंदर मौजूद अन्य युवकों ने भी आरोप लगाया कि मृतक को पिछले दो दिनों से लगातार पीटा जा रहा था और उसे भोजन तक नहीं दिया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में रह रहे अन्य लोगों के साथ भी मारपीट और अत्याचार किया जाता है तथा उन्हें पर्याप्त भोजन और दवाइयां नहीं मिलतीं। घटना के बाद रविवार सुबह इलाके में तनाव का माहौल बन गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर लिलुआ थाने की पुलिस और केंद्रीय बल तैनात किए गए। इस मामले में हावड़ा सिटी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी कर्मचारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

टीएमसी सांसद पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

उत्तेजक बयान देने का आरोप, वीडियो हटाने और सख्त कार्रवाई की मांग

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद के खिलाफ चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि संबंधित सांसद ने चुनावी माहौल के दौरान भड़काऊ और आपत्तिजनक बयान देकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

भाजपा के अनुसार, सांसद के बयान न केवल राजनीतिक रूप से उकसाने वाले हैं, बल्कि इससे समाज में तनाव और ध्रुवीकरण की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। शिकायत के साथ एक वीडियो क्लिप भी चुनाव आयोग को सौंपा गया है, जिसमें कथित तौर पर उक्त बयान दर्ज है।

पार्टी ने अपने ज्ञापन में कहा है कि इस प्रकार के बयान चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करते हैं और जानबूझकर माहौल को खराब करने की कोशिश करते हैं। भाजपा ने इसे टीएमसी नेतृत्व की सुनियोजित रणनीति बताते हुए आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

भाजपा ने चुनाव आयोग से मांग की है कि संबंधित सांसद को आचार संहिता उल्लंघन का दोषी ठहराया जाए, विवादित वीडियो को सभी सार्वजनिक मंचों से हटाया जाए और भविष्य में ऐसे बयानों पर रोक लगाने के लिए सख्त निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही, पार्टी ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू करने की भी अपील की है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया के दौरान आचार संहिता उल्लंघन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया है।

गर्मियों में सुविधा बढ़ाने के लिए रेलवे चलाएगी तीन नई समर स्पेशल ट्रेनें

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे ने गर्मियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए तीन नई समर स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों का संचालन कोलकाता-कानपुर सेंट्रल, असानसोल-वीजीएल झांसी और मालदह टाउन-दीघा रूट पर किया जाएगा। 04157 कानपुर सेंट्रल-कोलकाता स्पेशल ट्रेन 06 अप्रैल से 29 जून 2026 तक हर सोमवार 13:00 बजे कानपुर से रवाना होगी और अगले दिन 07:50 बजे कोलकाता पहुंचेगी। वहीं, 04158 कोलकाता-कानपुर सेंट्रल स्पेशल ट्रेन हर मंगलवार 10:45 बजे कोलकाता से चलकर अगले दिन 07:10 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। इस मार्ग में नैहाटी, बंडेल, वर्दवान, दुर्गापुर और असानसोल स्टेशन शामिल हैं।

04185 वीजीएल झांसी-असानसोल स्पेशल ट्रेन 08 अप्रैल से 28 जून 2026 तक हर बुधवार और रविवार 09:20 बजे झांसी से रवाना होगी और अगले दिन 14:30 बजे असानसोल पहुंचेगी। इसके विपरीत, 04186 असानसोल-वीजीएल झांसी स्पेशल ट्रेन 09 अप्रैल से 29 जून 2026 तक हर सोमवार और गुरुवार 17:10 बजे असानसोल से चलकर अगले दिन 19:10 बजे झांसी पहुंचेगी। इस मार्ग में चित्तरंजन, मधुपुर और जसिडीह स्टेशन शामिल हैं। इन ट्रेनों में जनरल सेकंड क्लास, सेकंड क्लास सीटिंग, स्लीपर क्लास और एसी कोच उपलब्ध हैं।

03465 मालदह टाउन-दीघा स्पेशल ट्रेन 02 मई से 20 जून 2026 तक हर शनिवार 13:10 बजे मालदह टाउन से रवाना होगी और उसी दिन 23:00 बजे दीघा पहुंचेगी। वहीं, 03466 दीघा-मालदह टाउन स्पेशल ट्रेन हर शनिवार 23:40 बजे दीघा से चलकर अगले दिन 09:20 बजे मालदह टाउन पहुंचेगी। इस मार्ग में न्यू फरक्का, पाकुर, रामपुरहाट, सैंथिया, बोलपुर शांति निकेतन, वर्दवान और डानकुनी स्टेशन शामिल हैं।

आईआईएम कोलकाता का 61वां दीक्षांत समारोह भव्य आयोजन के साथ संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) कोलकाता का 61वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में टाटा पावर कंपनी लिमिटेड के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक डॉ. प्रवीर सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार और निदेशक प्रो. आलोक कुमार राय भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर 2-वर्षीय एमबीए कार्यक्रम के 459, 1-वर्षीय एमबीईएक्स के 90, पीजीपीईएक्स-वीएलएम के 40 छात्रों को डिप्लोमा तथा 12 छात्रों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। निदेशक प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, आईआईएम कोलकाता ऐसे नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करता है, जो पेशेवर दक्षता के साथ सामाजिक रूप से जिम्मेदार और वैश्विक दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं, प्रो. एम. जगदीश कुमार ने संस्थान को उत्कृष्ट शिक्षण केंद्र बताते हुए कहा कि यहां से निकले छात्र देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। मुख्य अतिथि डॉ. प्रवीर सिन्हा ने अपने संबोधन में छात्रों को बदलती दुनिया में नेतृत्व, नैतिकता और उद्देश्यपूर्ण कार्य करने की प्रेरणा दी।

डॉक्टोरल कार्यक्रम में डॉ. मनहर मंचंदा को सतीश के. सहगल और निर्मल चंद्र मेमोरियल अवॉर्ड मिले, जबकि डॉ. परास गाला को सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. मनहर मंचंदा, डॉ. रनीत साहा, डॉ. मणिमय देव और डॉ. ऐमन निदा को डिस्टिंक्शन अवॉर्ड मिला। एमबीए कार्यक्रम में अंकित केसवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर डॉ. बी.सी. रॉय गोल्ड मेडल सहित कई पुरस्कार जीते, जबकि प्रतीक तिबरेवाल और शिवम अग्रवाल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। एमबीईएक्स कार्यक्रम में सयंतनी कर ने गोल्ड मेडल, स्वीटी दत्ता ने सिल्वर मेडल और शुभ्रदीप साहा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नितीश कुमार और मेहता महर्षि कामेश को विशेष पुरस्कार दिए गए। पीजीपीईएक्स-वीएलएम कार्यक्रम में नितीश कुमार प्रथम, ईशव सिंह द्वितीय और लिंगेश्वरन बी तृतीय स्थान पर रहे। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

रिपोर्ट कार्ड के साथ मैदान में उतरे अतिन घोष, विकास कार्यों के दम पर मांगा वोट

❑ **पिछले कामों का हिसाब और अगले 5 साल का रोडमैप पेश कर जनता से समर्थन की अपील**

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार अतिन घोष ने अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार को नई रणनीति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्होंने प्रचार के दौरान रिपोर्ट कार्ड जारी कर पिछले कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा जनता के सामने रखा और आगामी पांच वर्षों की योजनाओं का खाका भी पेश किया। अतिन घोष ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता के सामने अपने कामों का हिसाब देना उनकी जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने अपने क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय समस्याओं के समाधान को रिपोर्ट कार्ड के रूप में प्रस्तुत किया। प्रचार के दौरान उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और बताया कि किस तरह क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, स्वास्थ्य और अन्य नागरिक सुविधाओं में सुधार किया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि यदि उन्हें दोबारा मौका मिलता है तो विकास कार्यों को और तेज किया जाएगा। अतिन घोष ने आगामी पांच वर्षों के लिए अपनी प्राथमिकताओं का भी उल्लेख किया, जिसमें क्षेत्रीय विकास, बुनियादी ढांचे का विस्तार और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे उनके काम और योजनाओं के आधार पर निर्णय लें। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रिपोर्ट कार्ड के आधार पर प्रचार करना तृणमूल की रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए पार्टी एंटी-इनकंबेंसी को कम करने और विकास को मुख्य मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है।

बीरां बरजी दादी का 459वां जन्मोत्सव धूमधाम से संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : भक्ति भाव, उत्साह और उमंग के साथ गोयनका परिवार की कुलदेवी बीरां बरजी दादी का 459वां जन्मोत्सव श्री शक्ति गोयनका ट्रस्ट एवं श्री श्री बीरां बरजी सेवा समिति के तत्वावधान में डिविनिटी पैवेलियन वैंक्वेट हॉल में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंगल पाठ और परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

संस्था के ट्रस्टी सुशील गोयनका ने बताया कि संपूर्ण गोयनका वंश में श्री बीरां दादी और श्री बरजी दादी को प्रत्येक शुभ कार्यों में श्रद्धा और प्रेम से स्मरण किया जाता है। जन्म और शुभ विवाह के अवसर पर दादीजी की पूजा की जाती है और जन्म के समय झालरा पहनाया जाता है, जिसमें बीरां और बरजी दादी के नाम अंकित रहते हैं। महिलाएं देवी-देवताओं के मांगलिक गीतों के साथ दादीजी के गीत भी गाती हैं। सुशील गोयनका ने कहा, हमें गोयनका वंशजों का यह परम सौभाग्य है कि आद्य मातृशक्ति, देवी श्री दादी बीरां बरजी की पावन छत्रछाया तथा परम स्नेहिल संरक्षण हमें प्राप्त है। इन दोनों दादी को हम कुलदेवी के रूप में पूजते हैं और इनके पुण्यप्रताप व आशीर्वाद से हम निरंतर समृद्धि और विकास की ओर अग्रसर हैं।

इस अवसर पर कलाकार शुभम और रूपम ने मंगल पाठ एवं भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राधेश्याम गोयनका, शिवरतन गोयनका, नवरत्न गोयनका, अमरनाथ गोयनका, गिरधारीलाल गोयनका, प्रह्लाद राय गोयनका सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संजय गोयनका ने बताया कि बीरां बरजी दादी का दिव्य मंदिर राजस्थान के फतेहपुर में स्थित है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक पवन गोयनका, संयुक्त संयोजक कमल गोयनका, सुभाष चंद्र गोयनका, तारा गोयनका, मंजू गोयनका सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे।

राज्य में मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं करेगी भाजपा, मोदी के नाम पर मांगेगी वोट : समिक भट्टाचार्य

❑ भाजपा अध्यक्ष ने आसानी से बहुमत मिलने का किया दावा
❑ राष्ट्रपति शासन की अटकलों का किया खंडन

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में भाजपा के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर जारी अटकलों के बीच भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी ने इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया है और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके 'विकास के एजेंडे' के नाम पर वोट मांगेगी। भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा के लिए यह मायने नहीं रखता कि कोई नेता नया है या पुराना जो भी व्यक्ति जनता को तृणमूल कांग्रेस के कथित कुशासन के खिलाफ लड़ने वाला दिखेगा, वही जीत के बाद पार्टी का चेहरा बन सकता है। उन्होंने विधानसभा चुनाव को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस की 'तुष्टीकरण की राजनीति' के खिलाफ सीधी लड़ाई बताया। भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी किसी को भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश नहीं करेगी, बल्कि मोदी और उनके 'विकास के एजेंडे के नाम पर वोट मांगेगी तथा अगर सत्ता में आती है तो घुसपैठियों का 'पता लगाने, उन्हें हिरासत में लेने और निर्वासित करने' की नीति अपनाएगी। भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा किसी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं करती, जैसा कि दिल्ली, हरियाणा और ओडिशा में भी नहीं किया गया था, फिर भी पार्टी ने जीत हासिल की। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से उतारने को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने से जोड़े जाने पर स्पष्ट जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी का संसदीय बोर्ड और केंद्रीय नेतृत्व करेगा। हालांकि, उन्होंने यह संकेत भी दिया कि भविष्य में शीर्ष नेतृत्व चाहे तो इस पर अलग निर्णय ले सकता है। उन्होंने कहा कि हम 'विकास पुरुष' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आगे रखकर चुनाव लड़ते हैं, जो विकास के प्रतीक हैं – जिन पर कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के लोग भरोसा करते हैं। भट्टाचार्य ने भरोसा जताया कि भाजपा चुनाव में 'स्पष्ट बहुमत' हासिल करेगी, हालांकि उन्होंने आंकड़ा बताने या दो–तिहाई बहुमत मिलने पर टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि भवानीपुर से अधिकारी को उतारना ममता बनर्जी को उनके गढ़ में सीधी चुनौती देना है। उन्होंने 2021 के नंदीग्राम चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा तृणमूल के उस दावे को परखना चाहती है कि ममता की हार लोड शेडिंग (तकनीकी गड़बड़ी) के कारण हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में नेता प्रतिपक्ष को विधानसभा से 11 महीने तक निलंबित रखा गया और उनके परिवार पर हमले हुए। भाजपा के सत्ता में आने पर प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सबसे पहले राज्य में कानून–व्यवस्था स्थापित की जाएगी, चुनाव बाद हिंसा रोकी जाएगी और निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाया जाएगा।

अभिनेता राहुल बनर्जी की मौत के मामले में ओडिशा पुलिस ने की प्राथमिकी दर्ज

बालासोर/कोलकाता : ओडिशा के बालासोर जिले के तलसारी समुद्र तट पर बांग्ला भाषा के टीवी धारावाहिक की शूटिंग के दौरान अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी की मौत के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, 43 वर्षीय बनर्जी 29 मार्च को शूटिंग के दौरान समुद्र के पानी में कथित तौर पर फिसलकर डूब गए थे। पुलिस के अनुसार, अभिनेता को उनके सहयोगियों द्वारा दिघा के एक अस्प–ताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभिनेता की पत्नी की शिकायत पर शनिवार रात तलसारी मरीन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जाएगी, जिसमें किसी आपराधिक साजिश की संभावना भी शामिल है। जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस घटना को लेकर पश्चिम बंगाल मोशन पिक्चर आर्टिस्ट्स फोरम ने शनिवार को कोलकाता के रीजेंट पार्क थाने में निर्माताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। कोलकाता पुलिस ने इस शिकायत को 'जीरो एफआईआर' के रूप में दर्ज करते हुए आरोप लगाया है कि शूटिंग लापरवाही से की जा रही थी, जिससे लोगों की जान को खतरा हुआ।

भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की चल संपत्ति पांच वर्षों में दो गुना से अधिक बढ़ी

पश्चिम बर्दवान : जिले की आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहीं भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने अपने चुनावी हलफनामे में कहा है कि पिछले पांच वर्षों में उनकी चल संपत्तियों का मूल्य दोगुने से अधिक बढ़कर 2.56 करोड़ रुपये हो गया है। नामांकन पत्र के साथ दाखिल किए गए चुनावी हलफनामे के अनुसार, पॉल की अचल संपत्ति लगभग 1.28 करोड़ रुपये पर अपरिवर्तित रही। भाजपा उम्मीदवार की कुल चल संपत्ति 2021 में उनके निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार नामांकन पत्र दाखिल करने के समय 1.10 करोड़ रुपये से बढ़कर 2.56 करोड़ रुपये हो गई। बता दें कि फैशन डिजाइनर से राजनीतिज्ञ बनीं पॉल ने तीन दिन पहले अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। भाजपा विधायक ने अपनी कुल संपत्ति 3.84 करोड़ रुपये घोषित की है। हालांकि, चुनाव हलफनामे के अनुसार, पॉल की वार्षिक आय में काफी गिरावट आई है, जो 2020–21 और 2024–25 के बीच औसतन 3.73 लाख रुपये रही। 2021 में 19.71 लाख रुपये की तुलना में 2026 में उसकी देनदारियां घटकर लगभग 12.01 लाख रुपये रह गईं। निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ कई राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाली पॉल के खिलाफ आपराधिक मामलों की संख्या 2021 में दो से बढ़कर 2026 में 22 हो गई। आसनसोल के बनवारीलाल भालोटिया कॉलेज से बीएससी स्नातक पॉल ने एक प्रतिष्ठित संस्थान से फैशन डिजाइन में डिप्लोमा कोर्स किया है।

भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष ने दो करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की

पश्चिम मेदिनीपुर : भाजपा के वरिष्ठ नेता और खड़गपुर सदर विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार दिलीप घोष ने लगभग दो करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की है। यह 2024 के लोकसभा चुनाव में घोषित उनकी 1.82 करोड़ रुपये की संपत्ति से अधिक है, जब उन्होंने बर्दवान–दुर्गापुर सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। उनके चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनकी चल संपत्ति 28.75 लाख रुपये है और नकद लगभग 3.5 लाख रुपये है। उनकी पत्नी रिंकू मजूमदार के पास 22.98 लाख रुपये की चल संपत्ति है और उनके पास लगभग 50 लाख रुपये नकद हैं। दंपति ने बैंकों और डाकघर की योजनाओं में भी निवेश किया है, जिसमें सावधि जमा और मासिक आय योजनाएं शामिल हैं। बता दें कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने 2016 में पश्चिम मेदिनीपुर जिले की इसी सीट से पहला विधानसभा चुनाव लड़ते समय 30.29 लाख रुपये की कुल संपत्ति घोषित की थी। उन्होंने 2019 में मिदनापुर लोकसभा सीट से चुनाव जीता था और उस समय उनकी संपत्ति 45.36 लाख रुपये बताई गई थी। अब 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए दिए गए हलफनामे में घोष ने यह भी बताया कि वह अब कर्जमुक्त हैं। दस्तावेज के अनुसार, उनकी पत्नी की कुल संपत्ति लगभग 93 लाख रुपये है। घोष की अचल संपत्ति में पश्चिम मेदिनीपुर में 1.88 एकड़ कृषि भूमि (लगभग 40 लाख रुपये मूल्य) और कोलकाता के लेदर कॉम्प्लेक्स इलाके में एक फ्लैट शामिल है, जिसकी मौजूदा बाजार कीमत 1.42 करोड़ रुपये है।

तृणमूल उम्मीदवार गौतम देब ने 4.52 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार गौतम देब ने अपनी चल और अचल संपत्ति कुल मिलाकर 4.52 करोड़ रुपये से अधिक घोषित की है और कहा है कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। सिलीगुड़ी के मेयर देब ने निर्वाचन आयोग को नामांकन के साथ जमा किए गए हलफनामे में बताया कि उनकी चल संपत्ति 1.58 करोड़ रुपये है, जबकि अचल संपत्ति का वर्तमान बाजार मूल्य 2.94 करोड़ रुपये है, जिसमें तीन मंजिला एक इमारत भी शामिल है। तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है और न ही उन्हें किसी आपराधिक मामले में कभी दोषी ठहराया गया है। आयकर रिटर्न के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में उनकी वार्षिक आय 18.02 लाख रुपये रही, जबकि 2023–24 में यह 15.32 लाख रुपये थी। देब ने बताया कि उनके पास 1.03 लाख रुपये नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास 30,000 रुपये नकद हैं। कानून में स्नातक डिग्री धारक देब ने बताया कि उनकी आय के स्रोत कानूनी परामर्श, पूर्व विधायक के रूप में पेंशन, किराये से आय और बैंक ब्याज हैं।

आज सीएम पुष्कर सिंह धामी राज्य में करेंगे चुनाव प्रचार, बनगांव में होगा रोड शो

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पश्चिम बंगाल के चुनाव में प्रचार के लिए मांग बढ़ रही है। पहली बार छह अप्रैल को मुख्यमंत्री पार्टी प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल होने के बाद बनगांव में रोड शो कर चुनावी सभा में संबोधित करेंगे। ममता सरकार पर सियासी प्रहार करने के साथ ही सीएम उत्तराखंड के विकास योजन–ाओं व फैसलों को भी जनता के समक्ष रख कर वोट की अपील करेंगे। आज सीएम बागदा विधानसभा से सोमा ठाकुर, बनगांव उत्तर से अशोक कृतानिया, बनगांव दक्षिण से स्वप्न मंजूमदार व गायघाटा विधानसभा से प्रत्याशी शुभराता ठाकुर के नामांकन में शामिल होंगे। इसके बाद, बनगांव रेलवे स्टेशन से चुनावी सभा स्थल तक रोड शो करेंगे।

विधानसभा चुनाव: पीएम मोदी से लेकर कंगना रनौत और हेमा मालिनी तक, भाजपा ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों ने अपनी–अपनी तैयारी तेज कर दी है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने चुनाव प्रचार को धार देने के लिए अपने दिग्गज नेताओं और प्रमुख चेहरों की एक लिस्ट जारी की है। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, सांसदों और फिल्म जगत की हस्तियों तक के नाम शामिल हैं। भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में नितिन नवीन, राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, धर्मेंद्र प्रधान, शिवराज सिंह चौहान और अश्विनी वैष्णव शामिल हैं। साथ ही मिथुन चक्रवर्ती, स्मृति ईरानी, हेमा मालिनी, कंगना रनौत और मनोज तिवारी भी पश्चिम बंगाल में प्रचार करेंगे। इसके अलावा, लियेंडर पेस भी बीजेपी के पक्ष में प्रचार प्रसार करते नजर आएंगे।

पार्टी ने हिमंता बिस्वा सरमा, योगी आदित्यनाथ, रेखा गुप्ता, देवेंद्र फडणवीस, मोहन चरण माझी, भूपेंद्र यादव, माणिक साहा, अनुराग ठाकुर, अन्नपूर्णा देवी, अर्जुन मुंडा और बाबूलाल मरांडी को भी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया। सम्राट चौधरी, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, मंगल पांडेय, अमित मालवीय, सामिक भट्टाचार्य, सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, डॉ. सुकांत मजूमदार, शांतनु ठाकुर, राजू बिस्ता, डॉ. जयंता कुमार रॉय, मनोज टिग्गा, और बिजन गोस्वामी जैसे प्रमुख नेता भी इस सूची में शामिल हैं।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Mr. Rajesh Singh, S/o Late Sardara Singh, Director of M/s Aparna Resorts Private Limited, residing at 44/1, Italgacha Road, Dumdum, Kolkata - 700028, has lost/misplaced the following original property deeds: 1. Deed of Sale dated 16.01.1962 (Reg. No. 380/1962), 2. Deed of Sale dated 31.01.1985 (Reg. No. 738/1985), 3. Deeds of Conveyance dated 11.04.1989 (Reg. Nos. 2836, 2837 & 2838/1989), 4. Deed of Declaration dated 25.05.1990 (Reg. No. 3670/1990), 5. Deed of Sale dated 29.08.1978 (Reg. No. 5389/1978)

A General Diary regarding the same has been lodged at Dumdum P.S. vide G.D.E. No. 50 dated 01.04.2026. Any person having any claim regarding the above documents is requested to contact the undersigned within 7 days from publication, failing which no claim shall be entertained.

Akash Singh, Advocate
Phone No. 7980263445

सप्तग्राम में तेज हुई चुनावी सरगर्मी, भाजपा उम्मीदवार स्वराज घोष का दावा–4 मई को खिलेगा कमल

हुगली : विधानसभा चुनाव को लेकर सप्तग्राम में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार स्वराज घोष ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि 4 मई को जब ईवीएम खुलेंगे, तब यहां कमल खिलेगा। उन्होंने यह बयान हरित क्षेत्र स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान दिया।

प्रेस वार्ता में स्वराज घोष ने पार्टी का चुनावी एजेंडा जारी करते हुए किसानों, महिलाओं और रोजगार जैसे प्रमुख मुद्दों को केंद्र में रखा। उन्होंने कहा कि सप्तग्राम एक कृषि प्रधान क्षेत्र है और उनकी प्राथमिकता किसानों को उनकी फसलों का उचित समर्थन मूल्य दिलाना होगी। साथ ही महिला सुरक्षा को मजबूत करने, घर–घर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने का वादा किया।

महिलाओं के लिए विशेष घो–षणाएं करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर उन्हें हर महीने 3000 रुपये का भत्ता दिया जाएगा। इसके अलावा आयुष्मान भारत योजना लागू कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल स्थापित करने और युवाओं के लिए रोज–गार के अवसर बढ़ाने की भी बात कही।

स्वराज घोष ने राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के बढ़ते जनाधार को रोकने के लिए असामाजिक तत्वों का सहारा लिया जा रहा है और पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने वामपंथी दलों और टीएमसी पर भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर भी हमला बोला।

उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल में हजारों कारखाने बंद हो गए, जिससे श्रमिकों की स्थिति खराब हुई है। किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आलू और धान की फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा और कटमनी के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति चिंताजनक है और निजी स्कूलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि आयुष्मान भारत योजना लागू न होने से लोग बेहतर इलाज से वंचित हैं।

स्वराज घोष ने वादा किया कि उनकी सरकार बनने पर जर्जर सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा, सड़क हादसों पर नियंत्रण किया जाएगा और सरकारी कर्मचारियों के वेतन एवं डीए में वृद्धि की जाएगी।

अंत में उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में परिवर्तन की लहर है और जिस तरह 34 वर्षों के वाम शासन का अंत हुआ था, उसी तरह इस बार तृणमूल सरकार का भी पतन तय है। उन्होंने मतदाताओं से भयमुक्त होकर मतदान करने और कमल को समर्थन देने की अपील की।

चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स

खुली वैश्विक ई–निविदा

संख्या: सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई–टेंडर/19/0162, दिनांक: 31/03/2026। निम्नलिखित ई–टेंडर **www.ireps.gov.in** लिंक पर उपलब्ध है। इन ई–टेंडरों के लिए प्रस्ताव केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से **www.ireps.gov.in → लॉगिन → ई–टेंडर** स्टोर्स/सप्लाई लिंक पर जाकर जमा किए जा सकते हैं। निविदा या आईआरईपीएस संबंधी किसी भी जानकारी के लिए विक्रेता निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं: उप. सीएमएम/मुख्यालय/ सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन, 9163340711 या एएमएम/मुख्यालय, 9163340713। **कार्यालय का पता: पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू कार्यालय/ चित्तरंजन। क्रम संख्या: [1]। निविदा संख्या: 73261001। वस्तु का संक्षिप्त विवरण: (i)** आरडीएसओ विनिर्देश संख्या RDSO/2007/EL/SPEC/0051 Rev.3 और ड्राइंग संख्या IA016-00005 Rev.3 के अनुसार डब्ल्यूएपी–7 के लिए स्फेरिब्लॉक। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद तक], **(ii)** आरडीएसओ विनिर्देश संख्या RDSO/2007/EL/SPEC/0051 (REV-3) और ड्राइंग संख्या IA016.00005 (REV-3) के अनुसार डब्ल्यूएपी–7 के लिए स्फेरिब्लॉक। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद तक], **(iii)** आरडीएसओ विनिर्देश संख्या RDSO/2007/EL/SPEC/0051/Rev.3 या नवीनतम तथा सीएलडब्ल्यू ड्राइंग संख्या 1209.01.215.005 या नवीनतम के अनुसार डब्ल्यूएपी–7 लोको के लिए स्फेरिब्लॉक द्वारा आयातित एक्सल गाइड लिंक/ टीएम टॉर्क आर्म। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद तक], **(iv)** आरडीएसओ विनिर्देश संख्या RDSO/2007/EL/SPEC/0051 Rev. 3 के अनुसार डब्ल्यूएपी–5 लोको के लिए एक्सल गाइड लिंक स्फेरिब्लॉक। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद तक], **(v)** आरडीएसओ विनिर्देश संख्या RDSO/2007/EL/ SPEC/0051/Rev.3. और एबीबी ड्राइंग संख्या IA016-00269 Rev.3 के अनुसार डब्ल्यूएपी–5 लोको के लिए ट्रैक्शन मोटर सपोर्ट आर्म के लिए स्फेरिब्लॉक। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद तक], **(vi)** आरडीएसओ विनिर्देश संख्या RDSO/2007/EL/SPEC/0051 (REV-3) के अनुसार डब्ल्यूएपी–5 लोको के लिए स्फेरिब्लॉक का सेट। सेट में 36 नगों में 03 आइटम शामिल हैं। (1) एबीबी ड्राइंग संख्या IA–016–00003 (REV–1) के अनुसार एक्सल गाइड के लिए स्फेरिब्लॉक, मात्रा–16 नग। (2) टॉर्क आर्म के लिए स्फेरिब्लॉक, एबीबी ड्राइंग संख्या IA016-00005 (REV–3) के अनुसार, मात्रा 8 नग। (3) एबीबी ड्राइंग संख्या IA–016–00269 (REV–3) के अनुसार टीएम नोज सपोर्ट के लिए स्फेरिब्लॉक मात्रा–12 नग। **[वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तारीख से 30 महीने बाद तक]। **मात्रा:** (i) 36926.00 नग, (ii) 3247.00 नग, (iii) 669.00 नग, (iv) 1023.00 नग, (v) 1142.00 नग, (vi) 88.00 सेट। **बयाना राशि जमा:** 0.00 (INR)/0.00 (USD)। **निविदा बंद होने की तिथि और समय (आईएसटी): 30/04/2026 को सुबह 11:00 बजे।**

PR5/325 PCMM/CLWCRJ.

www.facebook.com/clwrailways पर हमसे जुड़ें

कुख्यात 'सोना पप्पू' का नाम सूची से गायब, कस्बा थाना प्रभारी निलंबित

❑ चुनाव से पहले दागी सूची में चूक पर चुनाव आयोग की कार्रवाई

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले कानून–व्यवस्था को लेकर सख्ती बढ़ाते हुए चुनाव आयोग ने कोलकाता पुलिस के एक थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है। कस्बा थाना के ओसी (प्रभारी) विश्वनाथ देवनाथ को कुख्यात अपराधी 'सोना पप्पू' का नाम दागी सूची में शामिल न करने के आरोप में निलंबित किया गया है। जानकारी के अनुसार, चुनाव से पहले राष्ट्रीय चुनाव आयोग सभी थानों से उनके क्षेत्र के दागी अपराधियों की सूची मांगता है। इसी क्रम में कस्बा थाना से भी सूची भेजी गई थी। लेकिन आयोग के सूत्रों के मुताबिक, उस सूची में इलाके के कुख्यात अपराधी 'सोना पप्पू' का नाम शामिल नहीं था। इस चूक को गंभीर मानते हुए आयोग के अधिकारी शनिवार को कस्बा थाना पहुंचे और ओसी से पूछताछ की। बताया जा रहा है कि विश्वनाथ देवनाथ संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, जिसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। हालांकि, इस संबंध में आयोग की ओर से आधिकारिक अधिसूचना का इंतजार है। उल्लेखनीय है कि 'सोना पप्पू', जिसका असली नाम विश्वजीत पोद्दार बताया जाता है, कस्बा और तिलजला–टोपसिया इलाके में लंबे समय से आतंक का पर्याय रहा है। वर्ष 2015 में बालीगंज रेल यार्ड में क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर हुए हिंसक संघर्ष में उसका नाम सामने आया था। इसके अलावा 2017 में एक हत्या के मामले में भी वह आरोपी रहा है। उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह फिलहाल फरार बताया जा रहा है। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उसके आवास पर छापेमारी भी की थी, जहां से हथियार बरामद होने की बात सामने आई थी। गोलपार्क के कांकुलिया रोड पर गोलीबारी और बमबाजी की घटना में भी पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

कृष्णनगर में भाजपा कार्यालय पर ताला, उम्मीदवार बदलने की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं का हंगामा

❑ टिकट वितरण पर उठे सवाल, पैसे लेकर टिकट देने के आरोप से बढ़ा विवाद

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा में अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आ गया है। कृष्णनगर में पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उम्मीदवार घोषित होने के बाद विरोध जताते हुए पार्टी कार्यालय पर ताला जड़ दिया और उम्मीदवार बदलने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, उम्मीदवार की घोषणा होते ही पार्टी के एक वर्ग में नाराजगी फैल गई। विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि टिकट वितरण में पारदर्शिता नहीं बरती गई और पैसे लेकर टिकट दिए जाने जैसी गंभीर शिकायतें भी सामने आई हैं।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की और स्पष्ट कहा कि मौजूदा उम्मीदवार को वे स्वीकार नहीं करेंगे। उनका कहना है कि यदि जल्द ही उम्मीदवार नहीं बदला गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब राज्यभर में विभिन्न दलों के भीतर उम्मीदवार चयन को लेकर असंतोष की खबरें आ रही हैं। खासकर भाजपा में कई सीटों पर स्थानीय स्तर पर विरोध देखने को मिल रहा है, जिससे चुनावी रणनीति पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टिकट वितरण को लेकर इस तरह का असंतोष यदि समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया, तो इसका सीधा असर चुनावी प्रदर्शन पर पड़ सकता है। वहीं पार्टी नेतृत्व की ओर से अब तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

जोड़ासांको विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी विजय उपाध्याय ने किया चुनाव प्रचार

राज्य के लोग भ्रष्टाचार व भाई–भतीजावाद के खिलाफ, इस बार बनेगी भाजपा की सरकार : धर्मेंद्र प्रधान

❑ केंद्रीय शिक्षा मंत्री का आरोप, ममता बनर्जी के शासन में बंगाल की जनता सुरक्षित नहीं

झाड़ग्राम : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने झाड़ग्राम में ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि इस बार, राज्य की जनता चुनाव लड़ रही है। इस बार, जनता भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद और दमनकारी सिस्टम के खिलाफ निर्णायक वोट देने जा रही है। एक डर–मुक्त, महिला–दमन–मुक्त बंगाल चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां सरकार जनता के लिए नहीं, बल्कि अपने फायदे के लिए है। क्या सुवेंदु अधिकारी, समिक भट्टाचार्य और दिलीप घोष बाहरी हैं? बंगाल की जनता ने इस बार मन बना लिया है, हमें पूरी बहुमत मिलेगी। धर्मेंद्र प्रधान ने आरोप लगाया कि राज्य धीरे–धीरे संवैधानिक नियंत्रण से बाहर जा रहा है और दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज में राज्य अब सुरक्षित नहीं है, उन्होंने मालदह की घटना का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग तृणमूल कांग्रेस सरकार के कुशासन से 'तंग' आ चुके हैं और बदलाव चाहते हैं, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पूरे बंगाल में पार्टी के लिए समर्थन बढ़ रहा है। झाड़ग्राम पहुंचने के बाद, प्रधान ने अपनी पार्टी का भरोसा दो–हराया और कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल राज्य में 'डबल–इंजन' सरकार बनने का संकेत देता है। प्रधान ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता, जो अभी शासन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं, उनके पास अब लोगों को अच्छा शासन देने का कोई एजेंडा नहीं है। शासन का यह तरीका, जो समाज के अलग–अलग हिस्सों में डर और आतंक फैलाने और जनता को डराने पर निर्भर करता है, संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मालदह जिस तरह की घटना घटी है। उसका यह बड़ा उदाहरण है। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि सुप्रीम कोर्ट को बयान देना पड़ा, और सेना को तैनात करना पड़ा। ऐसा किसी ऐसे राज्य में नहीं होता जहां कानून–व्यवस्था ठीक हो। ममता बनर्जी के शासन में बंगाल की जनता सुरक्षित नहीं है। प्रधान ने आगे कहा कि पिछले दस सालों में, भाजपा पश्चिम बंगाल में एक बड़ी राजनीतिक ताकत बन गई है, जो पिछले चुनावों में उसके प्रदर्शन को दिखाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राज्य में कई लोकसभा सीटें जीती हैं। पिछले विधानसभा कार्यकाल में यह मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में भी उभरी थी। इस बार, बंगाल के लोगों ने राज्य में डबल इंजन वाली सरकार बनाने का पक्का इरादा कर लिया है।

शाहजहांपुर में विभिन्न मामलों में वांछित 117 अभियुक्त गिरफ्तार

शाहजहांपुर (उप्र): शाहजहांपुर जिले में पुलिस ने लंबे समय से न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहे विभिन्न मामलों में वांछित 117 अभियुक्तों को एक विशेष अभियान के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बताया कि उनकी जानकारी में आया कि अभियुक्तों के फरार होने या पेश नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में मुकदमे न्यायालय में लंबित हैं और न्यायालय ने पुलिस को ऐसे अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए वारंट भी भेज रखे हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात अभियान चलाकर विभिन्न 22 थानों में वांछित 117 अभियुक्तों को पुलिस ने पांच घंटों के अंदर गिरफ्तार कर लिया।

जेल मे बंद नाइजीरियाई कैदी की मौत, 300 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ मामले में हुआ था गिरफ्तार

नोएडा (उप्र): गौतमबुद्ध नगर की लुक्सर जेल में बंद नाइजीरियाई कैदी की अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। वह किडनी की बीमारी से पीड़ित था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जेल अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक सोलोमन (66) और उसके कई साथियों को 2023 के मई में गौतमबुद्ध नगर के थाना बीटा-2 पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि इनके पास से करीब 300 करोड़ रुपये कीमत का मादक पदार्थ बरामद हुआ था। सिंह ने बताया कि कैदी लंबे समय से किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रसित था और उसे कई बार अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। उन्होंने बताया कि सोलोमन दो दिन पूर्व ही एम्स, दिल्ली से डायलिसिस करवा कर लौटा था। सिंह ने बताया कि रविवार को सोलोमन की अचानक तबीयत खराब हुई और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

झारखंड में अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत

लातेहार/पलामू (झारखंड): झारखंड के लातेहार और पलामू जिलों में अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, लातेहार में शनिवार रात करीब आठ बजे बालूमाथ-मुरपा मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान डोकनाही टोला निवासी कामेश उरांव और विजेंद्र उरांव के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। हालांकि, आर्थिक सहायता मिलने का आश्वासन दिये जाने के बाद अपराह्न करीब एक बजे जाम हटा लिया गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पलामू जिले में चैनपुर थाना क्षेत्र और पड़वा में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में दो अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अमरेश कुमार विश्वकर्मा (29) और नवल कुमार मिश्रा (55) के रूप में हुई है।

झारखंड: हजारीबाग में रामनवमी शोभा यात्रा के दौरान युवक की हत्या करने के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

हजारीबाग (झारखंड): झारखंड पुलिस ने हजारीबाग जिले में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान 21 वर्षीय एक युवक की हत्या करने के आरोप में पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना 29 मार्च को लोहसिंघना थाना क्षेत्र में उस समय हुई, जब गढ़ीखाना से झंडा चौक तक एक शोभायात्रा निकाली जा रही थी। हजारीबाग के सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अमित आनंद ने कहा, ''हमने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी हत्या में शामिल थे। उन्होंने शोभा यात्रा के दौरान तलवारों, चाकुओं और डंडों से पीड़ित पर बेरहमी से हमला किया था।'' पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शोभायात्रा के दौरान जब वे हथियारों के साथ प्रदर्शन कर रहे थे, तभी पीड़ित अचानक उसमें घुस गया जिसके बाद उनके बीच कहासुनी हुई और उसकी हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान ग्वालटोली निवासी अभिषेक कुमार के रूप में हुई है।

विपक्ष के नकारात्मक विमर्श का मुंहतोड़ जवाब दें युवा कार्यकर्ता: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भाजपा के युवा कार्यकर्ताओं को सतर्क करते हुए सोशल मीडिया मंच पर हताश और निराश विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नकारात्मक विमर्शों का मर्यादा में रहकर दृढ़ता से जवाब देने का आह्वान किया। आदित्यनाथ ने कहा, ''आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए विपक्ष ऑनलाइन माध्यम से मनगढ़ंत आरोपों की झड़ी लगाने की एक नयी शुरुआत करेगा, और भाजपा की बूथ-स्तरीय टीमों को ऐसे हमलों का मुकाबला करने और उनका खंडन करने के लिए मजबूती के साथ तैयार रहना चाहिए।'' मुख्यमंत्री योगी यहां भारतीय जनता पार्टी (महानगर इकाई) के मालवीय नगर मंडल की तरफ से आयोजित 'युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, ''हमारे युवाओं को विकास भी करना है और विरासत का भी सम्मान करना है। देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए मुस्तैद जवानों को दुश्मन के मंसूबों का काम तमाम भी करना है।' ने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बनती है कि वे 'डबल इंजन' सरकार के अच्छे कार्यों का प्रचार-प्रसार करते हुए अपने बूथ पर सजग और सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था, वे हर दृष्टि से विफल होकर आज सोशल मीडिया का सहारा लेंगे। झूठे, मनगढ़ंत आरोप लगाकर तमाम प्रकार के नकारात्मक विमर्श पेश करने का वे प्रयास करेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की युवा शक्ति सदैव सत्य और सनातन के साथ रही है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण, वीर अभिमन्यु, गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और उनके चार पुत्र, स्वामी विवेकानंद, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और वीर सावरकर युवा ऊर्जा शक्ति के प्रतीक और प्रेरणा हैं जिन्होंने सब कुछ देश और धर्म के लिए किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश इस मामले में सबसे सौभाग्यशाली है कि देश की 56 से 60 फीसदी कार्यशील युवा आबादी यहां है। यह युवा ऊर्जा अगर सकारात्मक कार्यों के साथ जुड़ जाए तो उत्तर प्रदेश को बुलंदियों पर पहुंचाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो युवा इस बार प्रथम बार मतदाता होंगे वे सभी इस बात से अनजान होंगे कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में क्या कुछ होता था। उन्होंने कहा कि पहले राज्य में पर्व और त्यौहार आने से पहले लोगों का मन आशंकित हो जाता था, गुंडागर्दी चरम पर थी और हर जिले में माफिया की समानांतर सरकार चलती थी। मुख्यमंत्री ने ईरान के साथ अमेरिका और इजराइल के युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दुनिया बुरी तरह प्रभावित है। उन्होंने कहा कि महाशक्ति कहलाने वाले अमेरिका में भी डीजल और पेट्रोलियम पदार्थों के दाम चार गुना बढ़ गए हैं, लेकिन अकेला भारत ही है जहां पेट्रोलियम पदार्थों का दाम नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संवेदनशील सरकार है जिसने स्थिति को नियंत्रण में रखा है।

'फिल्म सिटी' स्थापित होने पर उत्तर प्रदेश की युवा प्रतिभाओं को मंच मिलेगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में एक बार 'फिल्म सिटी' स्थापित हो जाने पर युवा प्रतिभाओं को अपने ही प्रदेश में मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, '2017 से पहले किसने कल्पना की थी कि उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी स्थापित होगी। बोनी कपूर कल मेरे पास आए और फिल्म सिटी की आधारशिला रखने के लिए 24 अप्रैल का समय मांगा।' यहां रविवार को भाजपा की नगर इकाई द्वारा आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी होती तो रवि किशन को मुंबई नहीं जाना पड़ता, आखिरकार वह एक कलाकार थे और एक कलाकार को उचित सम्मान मिलना चाहिए। पांडेयहाता में एक अन्य कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जिस दिन गोरखपुर में 'हेरिटेज कॉरिडोर' पूरा हो जाएगा, यह इस क्षेत्र में सबसे खूबसूरत मार्ग होगा और फिल्म की शूटिंग यहीं इसी कॉरिडोर में होगी।

न्यूज अपडेट

इजराइल में उत्तर प्रदेश के छह हजार से अधिक श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित : सरकार

लखनऊ: इजराइल में जारी तनावपूर्ण हालात के बीच उत्तर प्रदेश के छह हजार से अधिक श्रमिक वहां पूरी तरह सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, श्रम एवं सेवायोजन विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम इजराइल स्थित भारतीय दूतावास में राजदूत जे.पी. सिंह के साथ लगातार संपर्क में हैं और वहां मौजूद भारतीय, विशेषकर उत्तर प्रदेश के श्रमिकों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दूतावास से प्राप्त जानकारी का हवाला देते हुए सुंदरम ने बताया कि इजराइल में कार्यरत सभी भारतीय श्रमिक सुरक्षित हैं और फिलहाल किसी भी तरह की आपात स्थिति या बड़े खतरे की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में स्वाभाविक रूप से कुछ चिंता का माहौल है, लेकिन किसी भी श्रमिक की ओर से भारत लौटने का कोई विशेष दबाव या मांग नहीं आई है। बयान के मुताबिक, राजदूत ने यह भी जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के कुछ श्रमिकों ने हाल ही में भारत से गए पत्रकारों का आतिथ्य भी किया, जो इस बात का संकेत है कि स्थिति नियंत्रण में है और श्रमिक सामान्य जीवन जी रहे हैं।

राजस्थान : श्रीगंगानगर से 12 किलोग्राम हेरोइन जब्त, चार लोग हिरासत में

जयपुर: राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसे पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत भेजे जाने का संदेह है। इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने कहा, 'करीब 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 60 करोड़ रुपये है। इसे सीमा पार से ड्रोन के जरिये भेजा गया था। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ की जा रही है।' अधिकारियों ने बताया कि सीआईडी, स्थानीय पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई की। सुरक्षा एजेंसियों को श्रीकरणपुर क्षेत्र में सीमा पार से तस्करी के प्रयास की जानकारी मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने सीमा क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया और नाकेबंदी की। अभियान के दौरान रात में ड्रोन से भारतीय क्षेत्र में पैकेट गिराए जाने की जानकारी मिली। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान लगभग 12 किलोग्राम हेरोइन छोटे पैकेटों में बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि पैकेट लेने पहुंचे दो युवकों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक मादक पदार्थ की यह खेप पाकिस्तानी तस्करों द्वारा भेजी गई थी और पंजाब में आपूर्ति की जानी थी।

झारखंड के धनबाद में गैस लीक होने से तीन लोगों की मौत

धनबाद: झारखंड के धनबाद जिले में शनिवार रात को गैस रिसाव के कारण कथित तौर पर तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना मुनीडीह में देर रात करीब एक बजे हुई। मुनिडीह के थाना प्रभारी मणिका तिवारी ने बताया, 'प्रारंभिक जांच के अनुसार, कुछ लोग लोहे का कबाड़ चुराने के लिए वहां पहुंचे थे। ऐसा लगता है कि उन्होंने एक भरे हुए गैस सिलेंडर को काट दिया होगा। गैस सिलेंडर की गंध इतनी तेज थी कि वे बेहोश हो गए।' धनबाद वरिष्ठ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने बताया कि इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अधीक्षक दिनेश कुमार गिंदोरिया ने बताया कि पांच लोगों को अस्पताल लाया गया था। उन्होंने कहा, 'उनमें से दो को मृत अवस्था में लाया गया था और एक की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।'

बिहार जहरीली शराब कांड : तीन और लोगों की मौत, मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हुई

मोतिहारी: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में जहरीली शराब के सेवन से तीन और लोगों की मौत हो जाने के साथ ही इस प्रकरण में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर नौ हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में पहली मौत बृहस्पतिवार को हुई थी। जिला मजिस्ट्रेट सौरभ जोरवाल ने बताया कि मोतिहारी के तुरकौलिया और रघुनाथपुर इलाकों में हुई मौतों के सिलसिले में कुल 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजनों की शिकायतों के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जोरवाल ने बताया कि एक व्यक्ति का अब भी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''इलाज के बाद सात लोगों को पहले ही छुट्टी दे दी गई है।'' उन्होंने कहा, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल पाएगा।'' अधिकारियों ने बताया कि तुरकौलिया थाने के प्रभारी को कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में पहले ही निलंबित कर दिया गया है। घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

जयपुर: राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने छह से आठ अप्रैल तक आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर वर्षा हुई, जबकि पूर्वी हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश की गतिविधि दर्ज की गई। धौलपुर जिले के बाड़ी कस्बे में राज्य में सबसे अधिक 40 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। लूनकरनसर में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री और फतेहपुर में 12.9 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर स्थित मौसम केंद्र ने बताया कि पांच अप्रैल को जयपुर और भरतपुर संभागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गरज-चमक की संभावना है, जबकि अधिकतर अन्य हिस्सों में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। छह अप्रैल से एक नया और प्रबल पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिससे जोधपुर, बीकानेर, अजमेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र में तेज हवाएं (40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा), बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि हो सकती है।

बिहार में मदरसा परिसर से पिस्तौल और कारतूस बरामद

■ तीन लोगों को हिरासत में लिया गया

मोतिहारी: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में एक मदरसा परिसर से पुलिस ने रविवार को एक पिस्तौल और एक कारतूस बरामद किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गोविंदरा इलाके में मदरसे के एक मौलवी समेत तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस ने विशेष सूचनाओं के आधार पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था और मदरसे पर छापा मारा था। उन्होंने बताया कि साक्ष्य जुटाने में जांचकर्ताओं की सहायता के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी लगाया गया है।

संभल में सरकारी भूमि पर बने मस्जिद, मदरसे और स्कूल को खुद बुलडोजर से तोड़ रहे ग्रामीण

संभल (उप्र): संभल तहसील क्षेत्र के मुबारकपुर बंद गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाए गए मदरसे-मस्जिद और स्कूल के निर्माण को ग्रामीणों ने रविवार को खुद बुलडोजर से तोड़ना शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह से शनिवार को बताया कि ग्राम प्रधान की ओर से जेसीबी उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। संभल तहसील के गांव मुबारकपुर बंद में रविवार को बुलडोजर पहुंचा और ग्राम सभा की साढ़े तीन बीघा भूमि पर बने ग़ौसुल मदरसा, मस्जिद ओर प्राथमिक स्कूल के अवैध निर्माण को तोड़ना शुरू कर दिया। ग्राम प्रधान के पति हाजी मुनव्वर ने बताया कि आज जेसीबी की मदद ली गई है जबकि इससे पहले मजदूरों को लगा करके निर्माण को तोड़ा जा रहा था। उन्होंने कहा कि तहसीलदार से जेसीबी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। मुनव्वर ने कहा, 'जेसीबी की मदद से निर्माण को हटाने के लिए 20 घंटे का समय लगेगा। तहसीलदार द्वारा जेसीबी उपलब्ध कराई गई है लेकिन इसके किराये का भुगतान हम करेंगे।'' तहसीलदार सिंह ने बताया कि ग्राम सभा की भूमि पर मस्जिद, मदरसा और स्कूल बना हुआ है, और जैसे ही ग्राम वासियों के संज्ञान में आया कि यह ग्राम सभा की जमीन है तो वे इस निर्माण को खुद ही तोड़ रहे हैं।

जनगणना कराने के बाद ही महिला आरक्षण की बात हो: अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित विधेयक के आधार पर सवाल उठाते हुए रविवार को कहा कि संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीट आरक्षित करने से पहले नयी जनगणना पूरी करना जरूरी है। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि किसी भी नीति की नींव सटीक आंकड़ों पर होनी चाहिए और तर्क दिया कि यदि महिला आरक्षण का ढांचा 2011 की जनगणना के पुराने आंकड़ों पर आधारित है, तो वह स्वाभाविक रूप से त्रुटिपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, 'दरअसल महिला आरक्षण बिल का तो आधार ही निराधार है। आरक्षण का आधार अगर कुल सीट का एक तिहाई है तो इसका मतलब हुआ कि ये गणित का विषय है और गणित का आधार अंक होते हैं, संख्याएं होती हैं, कोई हवा हवाई बात नहीं। और इस तरह के मामले में संख्या का आधार जनसंख्या होती है, जिसका आधार जनगणना होती है।' यादव ने कहा, 'जब महिलाओं की जनसंख्या के लिए 2011 के पुराने आंकड़ों को आधार बनाएंगे तो महिला आरक्षण की आधारभूमि ही गलत होगी, जब भूमि में ही दोष होगा तो सच्ची फसल कैसे उगेगी।' उन्होंने आपत्ति जताते हुए मांग की, इसीलिए हमारी सबसे बड़ी आपत्ति यही है कि पहले जनगणना कराई जाए फिर महिला आरक्षण की बात उठाई जाए।' सपा अध्यक्ष ने कहा, 'जो सरकार महिलाओं को गिनना नहीं चाहती है, वो भला उन्हें आरक्षण क्या देगी। महिलाओं के साथ भाजपा और उनके संगी-साथी जो धोखा करना चाहते हैं, महिलाओं के साथ वो छलावा हम नहीं होने देंगे। कुल मिलाकर सरकार से हमारा ये कहना है। जब तक जनगणना नहीं, तब तक महिला आरक्षण पर बहस करना नहीं।' उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि संसद का बजट सत्र तीन दिन के लिए बढ़ा दिया गया है ताकि लोकसभा एव राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले 2023 में पारित कानून को 2029 से लागू किया जा सके। बृहस्पतिवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में कहा था कि सदन जल्द ही एक महत्वपूर्ण विधेयक पर विचार करने के लिए फिर से बैठक करेगा।

क्रॉस-वोटिंग: हरियाणा कांग्रेस के 5 विधायकों के निलंबन की सिफारिश

चंडीगढ़: हरियाणा कांग्रेस की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति (डीएसी) ने पिछले महीने हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान कथित तौर पर 'क्रॉस वोटिंग' करने वाले पार्टी के पांच विधायकों को निलंबित करने की सिफारिश की है। शुक्रवार शाम को समिति की बैठक के बाद, इसके अध्यक्ष धर्मपाल मलिक ने मीडियाकर्मियों को बताया था कि डीएसी एक रिपोर्ट तैयार करेगी और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के पक्ष में पार्टी के पांच विधायकों द्वारा कथित 'क्रॉस-वोटिंग' के मुद्दे पर पार्टी आलाकमान को अपना निर्णय बताएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, रविवार को समिति ने विधायकों द्वारा कारण बताओ नोटिसों पर दी गई प्रतिक्रियाओं की जांच करने के बाद उन्हें निलंबित करने की सिफारिश की है। इससे पहले, कांग्रेस ने हरियाणा के अपने पांच विधायकों को कथित 'क्रॉस-वोटिंग' के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। कारण बताओ नोटिस कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार के पक्ष में जानबूझकर मतदान न करके दल-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए जारी किया गया था...। हरियाणा की दो राज्यसभा सीट के लिए मतदान 16 मार्च को हुआ था। भाजपा के संजय भाटिया ने आसानी से एक सीट जीत ली, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार करमवीर सिंह बौध ने निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के खिलाफ कड़े मुकाबले में दूसरी सीट हासिल की। पांच कांग्रेस विधायकों द्वारा कथित 'क्रॉस-वोटिंग' ने पार्टी की आसान जीत की आरामदायक स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना दिया। मतगणना के दौरान कांग्रेस के चार वोट भी अमान्य घोषित कर दिए गए।

बिहार है विकास सूचकांकों में अन्य राज्यों से पीछे: तेजस्वी यादव

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि सभी विकास सूचकांकों में बिहार देश के अन्य राज्यों से पीछे है, लेकिन सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विपक्ष पर ठीकरा फोड़कर '21 साल की अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने' की कोशिश कर रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने चुनौती दी कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को राज्य के पिछड़ेपन पर सार्वजनिक बहस के लिए चुनौती देते हैं, 'बशर्ते उनमें (इस बात के लिए) नैतिक साहस और क्षमता हो।' राजद नेता की टिप्पणियों पर कटाक्ष करते हुए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने कहा कि बिहार की जनता ने विधानसभा चुनाव में उन्हें 'खारिज' कर दिया। उन्होंने दावा किया, 'अब कोई भी उनके बयानों पर ध्यान नहीं देता।' तेजस्वी यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '12 सालों की डबल इंजन सरकार समेत 21 वर्षों की राजग सरकार के बावजूद शिक्षा-रोजगार-आय, औद्योगिक विकास-उत्पादन एवं निवेश तथा स्वास्थ्य सेवा-सुविधा और पोषण से लेकर अधिकांश सामाजिक, मानवीय और आर्थिक संकेतकों में बिहार सबसे निचले पायदान पर है।' उन्होंने कहा कि 'निष्प्रभावी और अक्षम' सरकार अपनी 'गलत नीतियों और खोखले वादों' के कारण हुई विफलताओं को छुपाने के लिए विपक्ष को हर बात का दोषी ठहराती है। राजद नेता ने कहा, 'फिर भी, सत्ता में बैठे लोग तब अपमानित महसूस करते हैं जब बिहार को सबसे पिछड़ा और गरीब राज्य कहा जाता है।' तेजस्वी यादव केरल में दिए गए अपने बयान से जुड़े विवाद का जिक्र कर रहे थे, जहां उन्होंने बिहार को 'भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक' बताया था। सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में, राजद नेता ने कई मापदंडों का हवाला देते हुए यह साबित किया कि 'बिहार राष्ट्रीय औसत से पीछे है।' ये मापदंड साक्षरता दर, प्रति व्यक्ति आय, अपराध दर, प्रवासन, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, बहुआयामी गरीबी, प्रदूषण, नकद जमा अनुपात आदि से संबंधित हैं। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार सरकार पर अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए निर्वाचन आयोग और प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग करने एवं अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए झूठे चुनावी वादे करने का आरोप लगाया।

राजस्थान : 24 वर्षों में 17,675 दृष्टिबाधितों को नेत्रदान से मिली नई रोशनी

जयपुर: नेत्रदान के लिए जागरूक करने में जुटे 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' के प्रयासों के चलते सात राज्यों और 30 शहरों के 17,675 दृष्टिबाधितों को नेत्रदान से नई रोशनी मिली है। नेत्रदान से किसी दृष्टिबाधित व्यक्ति के जीवन को रोशन किया जा सकता है, लेकिन अफसोस की बात है कि लोग नेत्रदान के लिए पर्याप्त रूप से आगे नहीं आ रहे हैं। 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' पिछले 24 वर्षों से लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने का काम कर रही है। सोसायटी की ओर से समय-समय पर सरकारी और निजी अस्पतालों, मंदिरों, कॉलेजों और कार्यालयों में हेल्प डेस्क और शिविर लगाए जाते हैं। आंकड़ों के अनुसार, सोसायटी ने अपनी स्थापना (2002) से लेकर अब तक पिछले 24 साल में 27,307 कॉर्निया एकत्रित कर 17,675 दृष्टिबाधितों को मुफ्त प्रत्यारोपण के जरिए नई रोशनी दी है। 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' की प्रबंधक प्रियंका स्वामी ने बताया कि राजस्थान के अलावा 30 शहरों और छह राज्यों (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड और हरियाणा) में भी कॉर्निया भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अकेले राजस्थान में तीन लाख से अधिक लोग खराब कॉर्निया के कारण अंधेपन का शिकार हैं, लेकिन भ्रांतियों के कारण अक्सर लोग नेत्रदान के लिए आगे नहीं आते हैं। 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' के अध्यक्ष बी.एल. शर्मा ने बताया कि लाखों लोग ऐसे हैं जो अपने जीवन में रोशनी पाने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और यह तभी संभव होगा जब लोग नेत्रदान के प्रति जागरूक हों और ज्यादा से ज्यादा नेत्रदान करें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसका महत्व समझ नेत्रदान करते हैं, लेकिन सामाजिक भ्रांतियों और कुरीतियों के कारण कई लोग नेत्रदान से पीछे हटते हैं। शर्मा ने बताया कि कुछ भ्रांतियों की वजह से लोग नेत्रदान से बचते हैं, जिनमें मृत्यु के बाद देह को छेड़ना नहीं चाहिए, नेत्रदान से अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी, नेत्रदान से चेहरा विरूपित हो जाता है, प्रत्यारोपण के लिए पूरी आंख को ही निकाल लिया जाता है जैसे भ्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि लोग नेत्रदान के लिए आगे आएं तो राजस्थान में तीन लाख का आंकड़ा कम होगा और दृष्टिबाधितों के जीवन का अंधेरापन दूर होगा। शर्मा ने कहा, 'इन भ्रांतियों को मिटाने में समय लगेगा, लेकिन हर परिवार और समाज को प्रयास करना चाहिए कि परिवार में मृत्यु के बाद नेत्रदान अवश्य हो।' उन्होंने बताया कि राजस्थान में होने वाले 91 प्रतिशत प्रत्यारोपण उनकी संस्था ही करती है, जिसके लिए 16 जिलों में 14 केंद्र स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि कॉर्निया प्राप्त कर जयपुर लाया जाता है और उसे यहां प्रत्यारोपण होने लायक बनाया जाता है। इसके बाद विभिन्न जगहों पर वितरित किया जाता है। प्रियंका स्वामी ने बताया कि राजस्थान के अलावा 30 शहरों और छह राज्यों में भी कॉर्निया भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में सात सरकारी अस्पतालों और 25 निजी अस्पतालों में कॉर्निया उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रियंका ने बताया कि जब कॉर्निया प्राप्त किया जाता है तो उसे एक विशेष रसायन में रखा जाता है, ताकि उसकी गुणवत्ता खराब न हो। उन्होंने बताया कि 15 दिन तक कॉर्निया सुरक्षित रहता है, और यदि 15 दिन में कॉर्निया का उपयोग नहीं होता है तो उसे सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के छात्रों के लिए अनुसंधान हेतु दे दिया जाता है। प्रियंका ने बताया कि मृत्यु के छह से आठ घंटे तक आंखें सुरक्षित रहती हैं और 24 घंटे के भीतर कॉर्निया आई बैंक तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुछ विशेष परिस्थितियों (जैसे एड्स, हेपेटाइटिस, सर्पदंश, जलने, डूबने आदि) में नेत्रदान संभव नहीं होता। कॉर्निया लाभार्थी गौरव थापा ने कहा, 'मैं निर्माण क्षेत्र में काम करता था। मेरी आंख में कंकड़ लगने से आंख खराब हो गई थी। चार महीने बाद ही मेरी शादी थी। एक युवक की दुर्घटना में मौत हो गई तो उनके माता-पिता ने अपने बेटे का नेत्रदान किया, जिसका कॉर्निया मुझे लगा।' उन्होंने बताया, ''2011 से लेकर अब तक मेरी आंख एकदम ठीक है। मैं तो यही कहूंगा कि हमें भी मरने के बाद अपने अंगों को दान करना चाहिए ताकि किसी जरूरतमंद के काम आ सके।' नेत्रदान करने वाले परिवार के सुनील बैरवा ने बताया, ''मुझे गर्व महसूस होता है कि मेरा बड़ा भाई किसी की नजर से हमें देख रहा है। हम तो बस यही कहेंगे कि नेत्रदान अवश्य करना चाहिए ताकि किसी दृष्टिबाधित का जीवन रोशन हो सके।' आंख में क्रिकेट की बॉल लगने से विकास सैनी की आंखों में अंधेरा छाने लगा। सैनी ने कहा कि वह बड़ा होकर डॉक्टर बनना चाहता था, लेकिन आंख में लगने के कारण तनाव होने लगा कि अब डॉक्टर कैसे बनूंगा। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन के बाद जब दिखने लगा तो मुझे सबसे बड़ी खुशी मिल गई। अब मैं अपने सपने को जरूर पूरा करूंगा।'

महाराष्ट्र : ऑनलाइन कट्टरपंथ से जुड़े दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने एक संयुक्त अभियान में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने वाले एक आतंकी समूह से जुड़े दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार दोनों आरोपियों को ठाणे के खडवली और मध्य मुंबई के कुर्ला इलाके से खुफिया जानकारी के आधार पर पकड़ा गया। उनके पास से आपत्तिजनक दस्तावेज और मोबाइल फोन सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई दो दिन पहले की गई थी और गिरफ्तार आरोपियों को आगे की जांच के लिए दिल्ली ले जाया गया है। अधिकारी ने कहा, ये दोनों ओडिशा से संचालित एक मॉड्यूल का हिस्सा हैं।

विधानसभा चुनावों के दौरान 650 करोड़ रुपये की अवैध नकदी, शराब और मादक पदार्थ जब्त

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि चार चुनावी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में प्रवर्तन अधिकारियों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 650 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध नकदी, मादक पदार्थ और शराब जब्त की है। आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल से 319 करोड़ रुपये की अवैध नकदी, मादक पदार्थ, शराब और मूल्यवान धातुएं जब्त की गई हैं। इसके बाद तमिलनाडु का स्थान है जहां 170 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर सुनिश्चित करने के लिए 5,173 से अधिक उड़न दस्तों को तैनात किया गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर अचानक नाकेबंदी करने के लिए 5,200 से अधिक स्थिर निगरानी दल (एसएसटी) भी तैनात किए गए हैं।

पंजाब में ग्रेनेड तस्करी मामले का आरोपी गुजरात में गिरफ्तार

अहमदाबाद : गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) और पुलिस ने पंजाब में ग्रेनेड तस्करी मामले से जुड़े आरोपी और आईएसआई के लिए काम करने वाले एक पाकिस्तानी गैंगस्टर से जुड़े होने के संदेह में बिक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की को राज्य के दीसा कस्बे में हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। आतंकवाद रोधी दस्ते ने बताया कि सिंह ने कथित तौर पर अपने आकाओं के निर्देशों के अनुसार पुलिस थानों और अन्य सुरक्षा इकाइयों पर हमले की साजिश रचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एटीएस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, पंजाब पुलिस द्वारा साझा की गई विशिष्ट जानकारी के आधार पर, एटीएस और बनासकांठा पुलिस की एक टीम ने सिंह को दीसा कस्बे से पकड़ा, जहां वह सड़क किनारे एक रेस्तरां में मजदूर के रूप में काम कर रहा था और अपनी असली पहचान छिपाये हुए था। विज्ञप्ति के अनुसार सिंह को शनिवार को हिरासत में लिया गया और आगे की पूछताछ के लिए अहमदाबाद लाया गया।

बरेली में बोलेरो कार टैंकर में घुसी, पांच व्यक्तियों की मौके पर मृत्यु

बरेली (उप्र) : उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के दिल्ली लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार दोपहर बाद एक बोलेरो कार, एक मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े टैंकर में जा घुसी जिससे पांच व्यक्तियों की मौके पर मृत्यु हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (नगर) मानुष पारीक बताया कि रविवार दोपहर बाद बरेली शहर के सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधोली गांव के पास लखनऊ की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो कर, आगे चल रही एक मोटरसाइकिल में टक्कर मारते हुए अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से जा टकराई। उन्होंने बताया कि हादसा इतना भयावह था कि बोलेरो के अगले हिस्से और मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए। बोलेरो में बैठे सिकंदर कुमार (28), मनमोहन (42) और एक अज्ञात व्यक्ति और मोटरसाइकिल सवार शमसाद (45) और मुमता (65) की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के साथ 300 करोड़ रुपये के अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश

2,500 से ज्यादा शिकायतों से जुड़ा मामला

100 से अधिक फर्जी कंपनियां और 260 बैंक खाते चिन्हित

कंबोडिया स्थित साइबर गिरोह से जुड़े तार

फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए लोगों को बनाया शिकार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने एक कथित मास्टरमांइड एवं 10 अन्य को गिरफ्तार करके 300 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी से जुड़ी 2000 से अधिक शिकायतों के सिलसिले में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि पुलिस ने कई राज्यों में सक्रिय एक संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया जिसके संबंध विशेष रूप से कंबोडिया में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी गिरोहों से थे। पुलिस ने कहा, '' हमने अब तक 100 से अधिक फर्जी कंपनियों से जुड़े 260 से अधिक बैंक खातों की पहचान की है जिनका इस्तेमाल अपराधिक कमाई को अंतरित करने के लिए किया जाता था। इस गिरोह से संबंधित शिकायतों की कुल संख्या 2,567 है।'' पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-अपराध शाखा) आदित्य गौतम ने बताया कि मुख्य आरोपी करण कजारिया को उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी होने के बाद तीन अप्रैल को कोलकाता हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया तथा उसे आगे की जांच के लिए एक दिन बाद दिल्ली लाया गया । यह मामला शहर के निवासी सुल्तान की शिकायत के बाद सामने आया, जिसने आरोप लगाया कि एक निवेश योजना में फंसाकर उससे 31.45 लाख रुपये ठग लिये गये। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को ऊंचे मुनाफे का वादा करके एक फर्जी ट्रेडिंग एप्लिकेशन डाउनलोड करने और उसमें पैसा लगाने के लिए राजी किया गया था लेकिन जब उसने मुनाफा निकालने की कोशिश की, तो एप्लिकेशन ने काम करना बंद कर दिया और ग्रुप तक पहुंच असंभव हो गई। अधिकारी ने बताया, ''उत्तरपूर्व के साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और बाद में विस्तृत जांच के लिए इसे अपराध शाखा को सौंप दिया गया।'' पुलिस ने बताया कि इस गिरोह ने पीड़ितों को लुभाने के लिए फर्जी निवेश प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग ग्रुप बनाए और बिचौलियों के माध्यम से जुटाये गये 'म्यूल' (फर्जी) बैंक खातों का इस्तेमाल किया।

निर्वाचन आयोग यदि प्रत्याशियों पर निर्भर हो, तो निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते: न्यायमूर्ति नागरत्ना

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने निर्वाचन आयोग को चुनावों को निष्पक्ष बनाए रखने वाली प्रमुख संस्था बताते हुए कहा कि यदि चुनाव संचालित करने वाले लोग उम्मीदवारों पर निर्भर हों, तो चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं की जा सकती। शीर्ष न्यायालय की न्यायाधीश ने शनिवार को पटना के चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान देते हुए मतदान प्रक्रिया की निगरानी करने वाली संस्थाओं की संरचनात्मक स्वतंत्रता को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के 1995 के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा, ''एक बार फिर यह संरचनात्मक चिंता है कि यदि चुनाव संचालित करने वाले, चुनाव लड़ने वालों पर निर्भर हों, तो प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं की जा सकती।'' न्यायालय ने 1995 के इस फैसले में निर्वाचन आयोग को एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था करार दिया था। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि चुनाव केवल समय-समय पर होने वाली घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे प्रक्रियाएं हैं जिनके माध्यम से सरकार का गठन होता है। उन्होंने कहा, ''हमारी संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था ने यह प्रदर्शित किया है कि समय पर चुनाव होने से सरकारों का सुचारू रूप से परिवर्तन संभव हुआ है। इस प्रक्रिया पर नियंत्रण, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की शर्तों पर नियंत्रण के समान है।'' उन्होंने कहा कि सत्ता केवल औपचारिक संस्थाओं के माध्यम से ही नहीं, बल्कि उन प्रक्रियाओं के जरिए भी संचालित होती है जो उन्हें बनाए रखती हैं, जैसे चुनाव, सार्वजनिक वित्त और विनियमन। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि सत्ता को नियंत्रित करने वाली संवैधानिक संरचना को इन 'चौथे स्तंभ' जैसी संस्थाओं पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं भले ही पारंपरिक तीन स्तंभों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) में न आती हों, लेकिन संवैधानिक व्यवस्था बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

खेड़ा मेरी पत्नी के पासपोर्ट, संपत्तियों के बारे में झूठी जानकारी फैला रहे हैं: हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि वह और उनकी पत्नी कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने उन पर झूठे आरोप लगाए हैं कि उनके पास कई पासपोर्ट हैं और दुबई में संपत्तियां हैं, जिनका उल्लेख उनके चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया था। शर्मा ने यह भी दावा किया कि खेड़ा द्वारा साझा किए गए दस्तावेजों में 'गंभीर विसंगतियां' थीं, जो यह संकेत देती हैं कि यह डिजिटल हेरफेर का एक घटिया और खराब प्रयास था। मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के खिलाफ खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि एक से अधिक पासपोर्ट रखना और संपत्तियों का खुलासा न करना एक गंभीर और आपराधिक अपराध है। असम में नौ अप्रैल को मतदान होने से ठीक चार दिन पहले, खेड़ा ने नयी दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि शर्मा की पत्नी के पास संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), एंटीगुआ-बारबुडा और मिस्र के तीन पासपोर्ट हैं, जो क्रमशः मार्च 2027, अगस्त 2031 और फरवरी 2029 में समाप्त हो रहे हैं।

राघव ने संसद में पंजाब के उठाए गए मुद्दों का वीडियो साझा करते हुए कहा- 'पिक्चर अभी बाकी है'

नयी दिल्ली : संसद में पंजाब से जुड़े मुद्दे न उठाने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने रविवार को एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह इस राज्य से जुड़े अहम मुद्दों पर बोलते दिखते हैं। वीडियो में चड्ढा को भूजल स्तर में गिरावट, शहीद-ए-आजम भगत सिंह से जुड़े विषयों और पंजाब-केंद्रित अन्य चिंताओं को उठाते हुए देखा जा सकता है। चड्ढा ने वीडियो को 'छोटा सा ट्रेलर' बताते हुए दावा किया कि वह वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, ''पिक्चर अभी बाकी है।'' चड्ढा ने कहा, ''आप में मेरे उन साथियों के लिए, जिन्हें यह कहने के लिए वीडियो जारी करने पर मजबूर किया गया कि 'राघव चड्ढा ने संसद में पंजाब के मुद्दे नहीं उठाए', यह एक छोटा-सा ट्रेलर है, 'पिक्चर अभी बाकी है।'' चड्ढा कहा कि पंजाब उनके लिए सिर्फ एक चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि उनका घर, उनका कर्तव्य और उनकी आत्मा है। चड्ढा की ये टिप्पणी आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा बृहस्पतिवार को उन्हें राज्यसभा में अपने उपनेता पद से हटाए जाने के बाद आई है, जिसके बाद सांसद ने कहा कि उन्हें ''चुप कराया गया है, पराजित नहीं किया गया है''। आम आदमी पार्टी (आप) ने चड्ढा पर आरोप लगाया है कि वह संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने से बचते हैं और इसके बजाय ''अपने प्रचार-प्रसार'' में लगे रहते हैं। राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाए जाने के बाद से चड्ढा ने अब तक तीन वीडियो जारी किये हैं। इनमें उन्होंने संकेत दिए हैं कि वह अपने इस पदावनति को आसानी से स्वीकार नहीं करेंगे। चड्ढा ने शनिवार को आरोपों को खारिज करते हुए कहा, ''मैं संसद में जनता के मुद्दे उठाने जाता हूं, हंगामा करने नहीं।''

कांग्रेस ने असम के लोगों के साथ पांच पाप किये: शिवराज सिंह चौहान

गुवाहाटी : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कांग्रेस पर स्वतंत्रता के बाद से असम की जनता के साथ पांच बड़े पाप करने का आरोप लगाया। चौहान ने बोकाखाट और नाडुआ में दो चुनावी रैलियों में अपने संबोधन में आरोप लगाया कि 1947 में विभाजन के दौरान कांग्रेस 'असम को पाकिस्तान को सौंपने के पक्ष में' थी, लेकिन राज्य के पहले मुख्यमंत्री गोपीनाथ बोरदोलोई ने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की कि यह भारत का हिस्सा बना रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा किया गया दूसरा पाप 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान हुआ था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 'राज्य को उसकी तकदीर पर छोड़ दिया।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस का तीसरा पाप 'राज्य में घुसपैठियों को बसने देना और उन्हें संरक्षण देना' था, जिससे उसके संसाधनों और रोजगार के अवसरों पर दबाव पड़ा, लेकिन भाजपा घुसपैठियों के चंगुल से सभी जमीनों को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने रोजगार के अवसर पैदा करने में 'विफल' रहकर चौथा पाप किया है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में राज्य छोड़कर बाहर जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि पार्टी का पांचवां और अंतिम पाप यह है कि इसने लोकतंत्र को 'कमजोर' किया और देश में वंशवादी शासन को 'बढ़ावा' दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को असम में चुनाव का प्रभार सौंपा था, लेकिन उनके आने के बाद वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी छोड़ दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बंटी हुई पार्टी है तो ऐसे में वह जनकल्याण और राज्य की प्रगति को कैसे सुनिश्चित कर सकती है, केवल भाजपा ही विकास के सफर को आगे ले जा सकती है।

केरल विस चुनाव सरकार बदलने के लिए नहीं बल्कि राज्य का भविष्य सुधारने के लिए हैं : शाह

केरल के बेपोर में रोड शो में हिस्सा लिया

कोच्चि : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केरल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हैं। शाह ने यहां कुन्नथुनाडु निर्वाचन क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से केरल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मत प्रतिशत में वृद्धि हुई है और अब राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार का समय आ गया है। उन्होंने ईस्टर के अवसर पर ईसाई समुदाय को शुभकामनाएं दीं और उनसे केरल में सरकार बनाने के लिए राजग का समर्थन करने का आह्वान किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग का पूरे देश में सभी के लिए न्याय और किसी का तुष्टीकरण नहीं वाला रुख है। शाह ने केरल के मुख्यमंत्री और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता पिनराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने नाम बदलने का एक नया धंधा शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि विजयन केंद्र द्वारा वित्त पोषित सभी परियोजनाओं के नाम बदलकर उनका श्रेय खुद ले लेते हैं।

करगिल में जोरदार स्वागत के बाद रैली में पहुंचे सोनम वांगचुक

लद्दाख के लिए समान अधिकारों का आह्वान किया

करगिल : जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का रविवार को करगिल में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां एक रैली में वांगचुक ने लद्दाख समेत पूरे देश में एकता का आह्वान किया और केंद्र शासित प्रदेश के लिए लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की मांग को दोहराया। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत जोधपुर जेल में लगभग छह महीने की हिरासत के बाद 14 मार्च को रिहाई के बाद सोनम वांगचुक की यह पहली करगिल यात्रा थी। उनकी पत्नी द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के बाद केंद्र द्वारा हिरासत के आधारों को रद्द किये जाने पर वांगचुक की रिहाई हुई। 'करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस' (केडीए) और 'लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) के नेताओं ने गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति के साथ वार्ता के अगले दौर के लिए दबाव बनाया है और चेतावनी दी कि लगातार देरी और ठोस कार्रवाई की कमी से मौजूदा आंदोलन और तेज हो सकता है। ये नेता लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत इस क्षेत्र को शामिल किये जाने की अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

होर्मुज को लेकर चिंताओं के बीच सरकार ने एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाई

नयी दिल्ली : सरकार ने रसोई गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पांच किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार,23 मार्च से अब तक ऐसे करीब 6.6 लाख सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडरों के विपरीत, पांच किलोग्राम के छोटे सिलेंडर, जिन्हें एफटीएल सिलेंडर कहा जाता है, बाजार कीमत पर मिलते हैं और इन्हें नजदीकी गैस एजेंसी से लेने के लिए पते का प्रमाण देना जरूरी नहीं होता। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, कल (4 अप्रैल) पांच किलोग्राम के 90,000 से अधिक एफटीएल सिलेंडर बेचे गए। 23 मार्च 2026 से अब तक करीब 6.6 लाख पांच किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी तरह की कमी की कोई सूचना नहीं है। एक ही दिन में 51 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति की गई और कुल मांग का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हुआ। प्रशासन ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मार्च से अब तक 50,000 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं, एलपीजी वितरकों को 1,400 से ज्यादा कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 36 डीलरशिप निलंबित की जा चुकी हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को संकट से पहले के स्तर के 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, जबकि छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है ताकि मांग का दबाव कम हो सके। प्राकृतिक गैस के बारे में सरकार ने कहा कि घरेलू उपयोग और परिवहन के लिए पूरी आपूर्ति जारी है, जबकि उर्वरक संयंत्रों के लिए आपूर्ति छह अप्रैल से औसत खपत के करीब 90 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी, जिसे आने वाले एलएनजी कार्गो का समर्थन मिलेगा।

हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में हुई बर्फबारी, सात-आठ अप्रैल के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

शिमला : हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रविवार को बर्फबारी हुई तथा मौसम विभाग ने सात और आठ अप्रैल के लिए राज्य में चार से पांच जिलों में ओलावृष्टि, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान शनिवार शाम से लाहौल-स्पीति जिले के गोंडला में सबसे अधिक 28.2 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई। इसके बाद, केलांग में 20 सेंटीमीटर (सेमी), हंसा में पांच सेमी और कुकुमसेरी में 1.30 सेमी बर्फबारी दर्ज की गई। राज्य के कई हिस्सों में बीते 24 घंटों के दौरान रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश भी हुई। सराहन में 23.5 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जबकि धर्मशाला और सुंदरनगर में 18.2 मिमी, मनाली में 17 मिमी, शिमला में 13.4 मिमी, कुकुमसेरी में 13.2 मिमी, कल्पा में 11 मिमी, पालमपुर में 10.6 मिमी और कसौली में 10 मिमी वर्षा हुई। शिमला में शनिवार रात बारिश के बाद भारी ओलावृष्टि हुई। सुंदरनगर क्षेत्र में भी ओलावृष्टि हुई। शिमला, सुंदरनगर, जुब्बरहट्टी, भुंतर, कांगड़ा, मुरारी देवी और जोत में गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की घटनाएं हुईं, जबकि सुंदरनगर में हल्का कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, ताबो, नेरी और सियोबाग में 35 से 48 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।

सिक्किम के लाचेन में सड़क टूटने के कारण आवागमन ठप, 800 पर्यटक फंसे

गंगटोक : सिक्किम में मंगन जिले के लाचेन से चुंगथांग को जोड़ने वाली सड़क के टूट जाने के बाद इसे आवागमन के लिए बंद कर दिया गया, जिससे वहां 800 से अधिक पर्यटक फंस गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लाचेन-चुंगथांग रोड पर तारुम चू पुल के पास सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने बताया कि मंगन जिला प्रशासन ने एक सार्वजनिक सलाह जारी कर तारुम चू पुल के पास सड़क को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है, जिससे लाचेन में फंसे 800 पर्यटक प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, लाचेन में मौजूद सभी पर्यटकों को निर्देश दिया गया है कि वे जहां हैं वहीं रहें और रात भर किसी भी प्रकार की आवाजाही से बचें, क्योंकि खराब मौसम की स्थिति और रास्ते में संभावित जोखिम हैं। प्राधिकारियों ने फंसे हुए पर्यटकों को निकालने के लिए सोमवार को एक निकासी अभियान शुरू करने की योजना बनाई है, बशर्ते मौसम की स्थिति में सुधार हो और डोंगक्या ला मार्ग पर बर्फ को सफलतापूर्वक हटाया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा पुलिस, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और भारतीय सेना सहित कई एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षित तथा समय पर निकासी सुनिश्चित करने के लिए काम किया जा रहा है।

भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ है, मुस्लिमों के नहीं; असम व प.बंगाल में उज्ज्वल संभावनाएं: गडकरी

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने स्पष्ट किया है कि भारतीय जनता पार्टी की नीति किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि अवैध घुसपैठ के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है और सभी समुदायों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। असम और पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर गडकरी ने दोनों राज्यों में पार्टी की संभावनाओं को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि जनता विकास और सुशासन के आधार पर निर्णय लेगी और भाजपा को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। गडकरी ने कहा कि भाजपा का मुख्य फोकस बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक प्रगति पर है। उनके अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग पांच लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें से बड़ी संख्या में परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि कई निर्माणाधीन और प्रस्तावित हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में सुधार से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि ये प्रयास न केवल असम बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के बुनियादी ढांचे को नई दिशा देंगे। इस बीच हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार भी विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है। गडकरी ने दोहराया कि भाजपा की राजनीति समावेशी है और संविधान के अनुरूप सभी नागरिकों को समान अधिकार देने की पक्षधर है। उन्होंने कहा कि भारत विविधता में एकता का देश है और पार्टी किसी जाति, धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की इच्छा बढ़ रही है और मतदाता नई दिशा की तलाश में हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि मुकाबला कड़ा होगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर लगाए गए आरोपों पर गडकरी ने कहा कि ऐसे मुद्दों को राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी चलता है: उपराष्ट्रपति

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि ध्यान से शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद मिल सकती है तथा संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं चलता है बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी होता है। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि ध्यान की वास्तविक शक्ति इंसान को बदलने में निहित है। उन्होंने कहा कि ध्यान तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने एवं भावनात्मक लचीलेपन को बढ़ाने में तथा अत्यधिक सोचने एवं अत्यधिक काम करने जैसी समस्याओं के समाधान में मदद करता है । उपराष्ट्रपति ने यहां ध्यान पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं चलता है बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी चलता रहता है। एक सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि ध्यान शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करके तथा दूसरों को सुनने और समझने की क्षमता को बढ़ावा देकर एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है। तमिल संत तिरुमूलर की शिक्षाओं को याद करते हुए, राधाकृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि ध्यान एक आंतरिक दीपक जलाने के समान है जो अज्ञान को दूर करता है और सत्य एवं शांति की ओर ले जाता है। उन्होंने बताया कि तिरुमूलर ने मानव शरीर को मंदिर और ध्यान को भीतर के दैवीय स्वरूप को जानने का साधन बताया था। उपराष्ट्रपति ने सार्थक जीवन की कीमत पर भौतिक सफलता की ओर निरंतर लगे रहने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि धन से आराम तो मिलना चाहिए, लेकिन यह जीवन पर हावी नहीं होना चाहिए।

शमी की करिश्माई गेंदबाजी के बाद पंत के अर्धशतक से एलएसजी ने एसआरएच को हराया

हैदराबाद : लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने गेंद और बल्ले से संतुलित प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को पांच विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मोहम्मद शमी की सटीक गेंदबाजी और कप्तान ऋषभ पंत की नाबाद अर्धशतकीय पारी इस जीत के नायक रहे। शुरुआत में शमी ने घातक गेंदबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड जैसे खतरनाक सलामी बल्लेबाजों को सस्ते में पवेलियन भेज दिया। उन्होंने चार ओवर में महज नौ रन देकर दो विकेट चटकाए और एसआरएच को बैकफुट पर धकेल दिया। उनके सटीक लाइन-लेंथ और गति में विविधता ने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। हालांकि शुरुआती झटकों के बाद हेनरिच क्लासेन (62) और नीतिश कुमार रेड्डी (56) ने शानदार पलटवार करते हुए पांचवें विकेट के लिए 116 रन की अहम साझेदारी निभाई। दोनों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इसके बावजूद एसआरएच की टीम नौ विकेट पर 156 रन ही बना सकी, क्योंकि अंत के ओवरों में उसने तेजी से विकेट गंवा दिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलएसजी की शुरुआत भी सहज नहीं रही, लेकिन एडेन मारक्रम ने 46 रन की उपयोगी पारी खेलकर पारी को संभाला। इसके बाद कप्तान ऋषभ पंत ने जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेते हुए शानदार बल्लेबाजी की। पंत ने 50 गेंदों में नाबाद 68 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। आखिरी ओवर में मैच रोमांचक हो गया था, जब जीत के लिए नौ रन की जरूरत थी। पंत ने जयदेव उनादकट की गेंदों पर लगातार दो चौके जड़कर मुकाबला खत्म कर दिया। उन्होंने दबाव में संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया। इस जीत के साथ एलएसजी ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि एसआरएच को अच्छी शुरुआत के बावजूद मध्य और अंतिम ओवरों में कमजोर प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा।

मैं बल्ले से जवाब देना जारी रखूंगा: पंत

कप्तान ऋषभ पंत बाहरी आलोचनाओं से दूर रहते हुए अपने प्रदर्शन से जवाब देना पसंद करते हैं और उनके इसी तेवर ने रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद पर पांच विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। टी20 बल्लेबाजी शैली को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच, पंत ने स्पष्ट किया कि उनके लिए ड्रेसिंग रूम के अंदर की बातचीत सबसे अधिक मायने रखती है। उन्होंने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, मैं जानता हूं कि मैं अच्छी तैयारी कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि मेरा बल्ला ही बोले। मेरे साथी और टीम प्रबंधन मेरी मेहनत देखते हैं, वही मायने रखता है। पंत ने 50 गेंदों में नाबाद 68 रन की संयमित पारी खेली, जिसमें नौ चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 157 रन का लक्ष्य एक गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

फिट रहा, घरेलू क्रिकेट खेला और अपने कौशल पर काम किया: शमी

हैदराबाद : तेज गेंदबाजी के अगुआ मोहम्मद शमी ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स पर मिली अहम जीत के बाद कहा कि घरेलू क्रिकेट के जरिए मैच के लिए तैयार रहना और अपने कौशल को निखारते हुए बेहतरीन फिटनेस बनाए रखना, उनके शानदार प्रदर्शन में अहम रहा। शमी ने कहा, ''अगर आप खेलना चाहते हैं तो खेल के साथ तालमेल बनाये रखना जरूरी है। अगर आप फिट हैं, तभी आप अपने कौशल पर काम कर सकते हैं। इसलिए मैं खेल के संपर्क में रहा और सभी घरेलू मैच खेले।'' शमी ने नौ रन देकर दो विकेट लिए और 18 डॉट गेंद भी फेंकीं। उन्होंने कहा कि पिछले मैच में मिली हार के बाद टीम को जोरदार वापसी करने की जरूरत थी। उन्होंने मैच के नतीजे पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि हार के बाद लय बनाना बहुत जरूरी होता है।

चहल खतरनाक गेंदबाज हैं : पंजाब किंग्स के सहायक गेंदबाजी कोच गोंसाल्वेस

कोलकाता : पंजाब किंग्स के सहायक गेंदबाजी कोच ट्रेवर गोंसाल-वेस का कहना है कि युजवेंद्र चहल का 'खतरनाक' अंदाज उनकी लगातार कड़ी मेहनत की वजह से है और यह अनुभवी लेग-स्पिनर सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ होने वाले आईपीएल मैच में एक बार फिर जबरदस्त प्रदर्शन दिखाने की तैयारी में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चहल केकेआर के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाजों को उनके खिलाफ खेलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। केकेआर के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर गोंसाल्वेस ने कहा, ''भारतीय क्रिकेट में युजवेंद्र चहल एक बहुत ही खतरनाक नाम है। और विदेशों में तो वह और भी ज्यादा खतरनाक साबित होते हैं।''

फॉर्म में चल रहे पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत का खाता खोलने उतरेंगे नाइट राइडर्स

कोलकाता : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) सोमवार को जब पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो उसकी नजरें इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में जीत का खाता खोलने पर टिकी होंगी। शुरुआती दो मैच गंवाने के बाद टीम दबाव में है, जबकि पंजाब किंग्स शानदार फॉर्म में नजर आ रही है। तीन बार की चैंपियन केकेआर अपने खराब प्रदर्शन के लिए प्रमुख तेज गेंदबाजों की गैरमौजूदगी को जिम्मेदार ठहरा सकती है, लेकिन टीम की रणनीति भी सवालों के घेरे में है। पिछले सत्र में खिताब जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं करने का असर भी साफ दिख रहा है। अय्यर ने 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाकर अपनी कप्तानी का लोहा मनवाया था। इस बार केकेआर की कमान अजिंक्य रहाणे के हाथों में है, जिन्होंने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन टीम संयोजन को लेकर आलोचना हो रही है। न्यूजीलैंड के फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ी होने के बावजूद उनका सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। टीम के बल्लेबाजी क्रम में भी कमजोरी नजर आई है। शीर्ष क्रम के बाद मध्य और निचला क्रम लगातार दबाव में बिखरता रहा है। अपने पहले घरेलू मैच में 227 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 161 रन पर सिमट गई थी, जो उसकी बल्लेबाजी की स्थिति को दर्शाता है। दूसरी ओर पंजाब किंग्स का प्रदर्शन संतुलित और प्रभावशाली रहा है। अय्यर की कप्तानी में टीम ने दोनों मैच जीते हैं।

मैच पर बारिश का साया

मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत की तलाश कर रहे कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने सोमवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मौसम की मार भी चुनौती बन सकती है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बुलेटिन के अनुसार मैच के दौरान बारिश का अनुमान है। बारिश के कारण मुकाबला बाधित या रद्द होने या कम ओवरों में होने की आशंका है। केकेआर का अगला घरेलू मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को है और इस मैच पर भी बारिश का खतरा है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले स्टैंड का आधिकारिक अनावरण

बेंगलुरु : एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले स्टैंड का रविवार को एक भावुक समारोह में आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया, जिसमें इन दिग्गज खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य भी शामिल हुए। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और इन दोनों महान खिलाड़ियों के लंबे समय तक साथी रहे वेंकटेश प्रसाद और उपाध्यक्ष सुजित सोमसुंदर ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर इस अनावरण समारोह की देखरेख की। केएससीए ने 14 फरवरी को घोषणा की थी कि 24,177 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले द्रविड़ और 956 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले कुंबले, तथा पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर शांता रंगास्वामी के नाम पर चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्टैंड (एंड) का नाम रखा जाएगा।

डेविड, पाटीदार और पडीक्कल का धमाल, आरसीबी ने सीएसके को हराया

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने विस्फोटक बल्लेबाजी और सधी हुई गेंदबाजी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 43 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस हार के साथ सीएसके की लगातार तीसरी पराजय हो गई। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सीएसके के सामने आरसीबी के बल्लेबाजों ने रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया। टिम डेविड की नाबाद 70 रन की तूफानी पारी, देवदत्त पडीक्कल के 50 रन और कप्तान रजत पाटीदार के नाबाद 48 रन की बदौलत आरसीबी ने तीन विकेट पर 250 रन का विशाल स्कोर बनाया। फिल सॉल्ट ने भी 46 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। पडीक्कल और सॉल्ट ने दूसरे विकेट के लिए तेज साझेदारी कर टीम को शुरुआती झटके से उबारा, जबकि

पाटीदार और डेविड ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए चौथे विकेट के लिए 99 रन की अटूट साझेदारी निभाई। आखिरी पांच ओवरों में 97 रन जोड़कर आरसीबी ने मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने शुरुआती ओवरों में ही अपने प्रमुख विकेट गंवा दिए। हालांकि सरफराज खान ने 50 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से ज्यादा सहयोग नहीं मिला। प्रशांत वीर (43) और जेमी ओवरटन (37) ने कुछ हद तक लड़ाई जारी रखी, पर टीम 19.4 ओवर में 207 रन पर सिमट गई। आरसीबी के गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भुवनेश्वर कुमार ने चार ओवर में 41 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि जैकब डफी, कृणाल पंड्या और अभिनंदन सिंह ने दो-दो विकेट हासिल किए। इस जीत के साथ आरसीबी ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, वहीं सीएसके को अपनी गेंदबाजी और शीर्ष क्रम की कमजोरियों पर जल्द सुधार करना होगा।

समाज्ञा व्यापार

एफपीआई ने अप्रैल के पहले दो कारोबारी सत्रों में 19,837 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

नयी दिल्ली : विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजार से निकासी का सिलसिला अप्रैल में भी जारी है। अप्रैल के पहले दो कारोबारी सत्रों में ही उन्होंने 19,837 करोड़ रुपये (2.1 अरब डॉलर) के शेयर बेचे हैं। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रुपये में लगातार गिरावट को माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार से करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.7 अरब डॉलर) की रिकॉर्ड निकासी की थी। यह एफपीआई की निकासी की दृष्टि से सबसे खराब महीना था। वहीं एफपीआई ने फरवरी में शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये डाले थे, जो 17 माह का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

ईरान युद्ध की वजह से अमेरिका में भी बढ़ने लगी है महंगाई

वाशिंगटन : ईरान के खिलाफ युद्ध ने अमेरिकियों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अपनी डिलिवरी पर ईंधन अधिभार की घोषणा की है और कुछ एयरलाइन कंपनियों ने ईंधन की ऊंची लागत की भरपाई के लिए 'चेक-इन बैगेज' पर शुल्क बढ़ा दिया है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत शुक्रवार को 4.09 अमेरिकी डॉलर प्रति गैलन पर पहुंच गई है। यह युद्ध से ठीक पहले की तुलना में एक डॉलर से अधिक है और अगस्त, 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल की लागत भी पिछले साल के 3.64 डॉलर प्रति गैलन से बढ़कर शुक्रवार को 5.53 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। ये आंकड़े अमेरिकी परिवहन संघ (एएए) ने जारी किए हैं। डीजल का अन्य उद्योगों के अलावा व्यापक रूप से कृषि, निर्माण और परिवहन क्षेत्र

में इस्तेमाल किया जाता है। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने यह भी कहा कि वह 17 अप्रैल से तीसरा पक्ष विक्रेताओं पर 3.5 प्रतिशत ईंधन अधिभार जोड़ने की योजना बना रही है। अमेरिकी डाक सेवा ने बुधवार को कहा कि वह अस्थायी रूप से आठ प्रतिशत का ईंधन अधिभार लगाने की कोशिश कर रही है। डाक सेवा ने अपनी वेबसाइट पर दी जानकारी में कहा कि अगर डाक नियामक आयोग द्वारा मंजूरी दी जाती है, तो यह अधिभार 26 अप्रैल से लागू होगा और 17 जनवरी, 2027 तक जारी रहेगा। माना जा रहा है कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध लंबा खिंचता है, तो यह अमेरिका में आपूर्ति श्रृंखला में भी व्यवधान पैदा करेगा। न्यूयॉर्क की विश्लेषक रैशल जिएम्बा ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अमेरिका इससे बच पाएगा। ये वैश्विक बाजार है।''

जनवरी-मार्च में शीर्ष सात शहरों में घरों की कीमतों में मामूली वृद्धि: एनारॉक

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच नकारात्मक उपभोक्ता धारणा के कारण बिक्री में आई गिरावट से देश के शीर्ष सात आवास बाजारों में जनवरी-मार्च अवधि के दौरान औसत कीमतों में पिछली तिमाही की तुलना में केवल दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखी गई। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली कंपनी एनारॉक की रिपोर्ट में यह बात कही गई। एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, सात प्रमुख शहरों में घरों की औसत कीमतें जनवरी-मार्च में बढ़कर 9,456 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछली तिमाही में 9,260 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं। सालाना आधार पर, कीमतों में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो जनवरी-मार्च, 2025 में 8,868 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। एनारॉक सात प्रमुख शहरों के प्राथमिक (पहली बिक्री) आवास बाजारों पर निगरानी रखता है। इन शहरों में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-एन-सीआर, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं।

एनारॉक ने बताया कि इन शहरों में वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च अवधि में घरों की बिक्री में पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में मात्रा में सात प्रतिशत और मूल्य में छह प्रतिशत गिरावट आई। इस कारण कीमतें अधिकांशतः नियंत्रण में रहीं। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एन-सीआर में औसत आवास मूल्य जनवरी-मार्च में तीन प्रतिशत बढ़कर 9,620 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया, जो पिछली तिमाही में 9,300 रुपये प्रति वर्ग फुट था। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 8,330 रुपये प्रति वर्ग फुट था, जिसमें सालाना आधार 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुंबई महानगर क्षेत्र में वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान दरें बढ़कर 17,600 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 16,900 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। बेंगलुरु में औसत कीमतें वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 9,310 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 8,650 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं। पुणे में वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में आवासीय संपत्तियों की कीमतें दो प्रतिशत बढ़कर 8,220 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 7,800 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं। एनारॉक के अनुसार, चेन्नई में वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में औसत आवास की कीमतें बढ़कर 7,165 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 6,900 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं। वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में कोलकाता में आवास की औसत कीमतें बढ़कर 6,290 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 5,950 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं, जिसमें वार्षिक आधार पर छह प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अप्रैल-फरवरी 2025-26 में सोने का आयात करीब 29 प्रतिशत बढ़कर 69 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली : वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कीमती धातुओं की ऊंची कीमतों के कारण अप्रैल-फरवरी 2025-26 में देश का सोने का आयात 28.73 प्रतिशत बढ़कर 69 अरब डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में सोने का आयात 53.52 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के मुताबिक सोने के आयात में इस उछाल ने देश के व्यापार घाटे (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) को बढ़ाकर 310.60 अरब डॉलर कर दिया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 261.80 अरब डॉलर था। राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत इस समय लगभग 1,51,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के आसपास बनी हुई हैं। भारत के कुल स्वर्ण आयात में स्विट्जरलैंड की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (16 प्रतिशत से अधिक) और दक्षिण अफ्रीका (लगभग 10 प्रतिशत) का स्थान है। देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से अधिक है। अप्रैल-फरवरी 2025-26 के दौरान स्विट्जरलैंड से होने वाला कुल आयात 11.57 प्रतिशत बढ़कर 23.5 अरब डॉलर रहा। फरवरी में इस देश से सोने का आयात सालाना आधार पर 719.30 प्रतिशत बढ़कर

भारत के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत करने की जरूरत: नेपाल के राजदूत

ठाणे : भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने रविवार को दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। ठाणे में आयोजित भारत-नेपाल व्यापार कार्यक्रम और व्यापार संवर्धन पहल में शर्मा ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को साझा वृद्धि को बढ़ाने के लिए सहयोग और साझेदारी के नए रास्ते तलाशने चाहिए। आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम ने दोनों देशों के प्रमुख व्यक्तियों, व्यापारिक नेताओं और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाने का काम किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्थक नेटवर्किंग और साझेदारी चर्चाओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करना था। क्षेत्र में भारत के समग्र रणनीतिक हितों के लिहाज से नेपाल, भारत के लिए महत्वपूर्ण है, और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने ''रोटी-बेटी'' के संबंधों का उल्लेख किया है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच मौद्रिक समीक्षा बैठक में रेपो दर को यथावत रखेगा आरबीआई : अर्थशास्त्री

मुंबई : पश्चिम एशिया संकट की वजह से मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका के चलते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अप्रैल की अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में मुख्य नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है। अर्थशास्त्रियों ने यह अनुमान जताया है। एक दर्जन से अधिक अर्थशास्त्रियों के बीच किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव, जिंस कीमतों में अस्थिरता और मुद्रा के तेज उतार-चढ़ाव ने नीतिगत परिदृश्य को जटिल बना दिया है। ऐसे में वृद्धि दर, मुद्रास्फीति पर आरबीआई के अनुमान और नीतिगत रुख पर गहरी नजर रहेगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के इर्द-गिर्द अनिश्चितता को देखते हुए, आरबीआई द्वारा अप्रैल की नीति में यथास्थिति बनाए रखने और कोई भी अगला कदम उठाने से पहले मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर विचार करने की संभावना है।''

ईंधन कीमतों में स्थिरता के बीच भारतीय ओएमसी रिफाइनरियों को रियायती दरों पर भुगतान करेंगी

नयी दिल्ली : ईंधन की कीमतों के नियंत्रणमुक्त होने के बाद पहली बार, भारत की सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन (एटीएफ) और केरोसिन यानी मिट्टी के तेल के लिए रिफाइनरियों को रियायती कीमत का भुगतान करेंगी। सूत्रों ने बताया कि यह कदम खुदरा ईंधन कीमतों को स्थिर रखने के कारण होने वाले घाटे को सीमित करने के लिए उठाया गया है। इस मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले दो व्यक्तियों ने बताया कि पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने 26 मार्च को पेट्रोलियम उत्पादों के लिए ऐसी दरें तय की हैं, जो उनकी आयात लागत से 60 रुपये प्रति लीटर तक कम हैं। ये रियायती दरें 16 मार्च से प्रभावी मानी जाएंगी और इसका सबसे बुरा असर एमआरपीएल (एमआरपीएल), सीपीसीएल (सीपीसीएल) और एचएमईएल (एचएमईएल) जैसी स्वतंत्र रिफाइनरियों पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल थीं, जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। इसके बावजूद, भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे ओएमसी को इसके प्रभाव को खुद झेलना पड़ रहा है। संघर्ष के जल्द खत्म होने के कोई आसार न देखते हुए, ओएमसी ने रिफाइनरी हस्तांतरण मूल्य (आरटीपी) पर छूट देने का निर्णय लिया है। आरटीपी वह आंतरिक कीमत है, जिस पर रिफाइनरियां अपने विपणन प्रभागों को ईंधन बेचती हैं। इस छूट के जरिये रिफाइनरियों को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन के लिए आयात लागत से कम भुगतान किया जाएगा। मार्च के दूसरे पखवाड़े के लिए डीजल पर 22,342 रुपये प्रति किलोलीटर (22.34 रुपये प्रति लीटर) की छूट तय की गई थी ताकि 85,349 रुपये प्रति किलोलीटर के आरटीपी को घटाकर 63,007 रुपये प्रति किलोलीटर किया जा सके। अप्रैल के पहले पखवाड़े के लिए डीजल पर छूट 60,239 रुपये प्रति किलोलीटर तय की गई है ताकि आरटीपी को 1,46,243 रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 86,004 रुपये प्रति किलोलीटर किया जा सके। इसी तरह, एटीएफ पर 50,564 रुपये प्रति किलोलीटर की छूट के बाद आरटीपी को 1,27,486 रुपये से घटाकर 76,923 रुपये प्रति किलोलीटर कर दिया गया है। केरोसिन के लिए 46,311 रुपये प्रति किलोलीटर की छूट के बाद आरटीपी 1,23,845 रुपये से घटाकर 77,534 रुपये प्रति किलोलीटर तय किया गया है।

वर्ष 11, पूर्णांक 3554 अंक 020 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in